संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 183
पृष्ठ 8
मंगलवार
24 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे को मोटापे से बचाने...

विचार- एक 'भोग अरदास' जिसने दिए...

खेल- खिलाड़ियों की चोट से बढ़ी केकेआर...

भारत की नई ऊर्जा नीतिः प्रधानमंत्री मोदी बोले-

अब 27 नहीं, 41 देशों से करते हैं तेल का आयात

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संसद को बताया कि भारत ने हाल के वर्षों में अपने ऊर्जा आयात स्रोतों में काफी विविधता लाई है, और यह भी बताया कि देश अब 41 देशों से कच्चा तेल, एलपीजी और पीएनजी खरीदता है। ये टिप्पणियां उन्होंने लोकसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान अपने संबोधन में कीं, जहां उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि पहले भारत 27 देशों से ऊर्जा आयात करता था, अब यह संख्या बढ़कर 41 हो गई है। पूरे भारत में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। मोदी का यह बयान सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था, आपूर्ति श्रृंखलाओं और आवश्यक वस्तुओं पर

संकट के प्रभाव की समीक्षा करने और नागरिकों और व्यवसायों के लिए व्यवधानों को कम करने के उपायों पर चर्चा करने के बाद आया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष के समय में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है और प्रभावित क्षेत्र में भारतीय दूतावास नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि बीते दिनों हॉर्मुज स्ट्रेट में फंसे हमारे कई जहाज भारत आए भी हैं। संकट के इस समय में देश की एक और तैयारी भी है, जो बहुत काम आ रही है। पिछले 11 साल में इथेनॉल के उत्पादन और उसकी ब्रॉन्डिग पर अभूतपूर्व काम हुआ है। एक दशक पहले तक देश में सिर्फ एक से डेढ़ प्रतिशत इथेनॉल बैंडिंग कैपसिटी थी। आज हम पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल बैंडिंग के करीब पहुंच रहे हैं। इसके कारण प्रति वर्ष करीब साढ़े 4 करोड़ बैरल कम ऑयल इम्पोर्ट करना पड़ रहा है। एक बड़ा सवाल ये है कि युद्ध का खेती पर क्या प्रभाव होगा। देश के किसानों ने हमारे अन्न के भंडार भर रखे हैं, इसलिए भारत के पास पर्याप्त खाद्यान्न है। हमारा ये भी प्रयास है कि खरीफ सीजन की ठीक से बुआई हो सके। सरकार ने बीते सालों में आपात स्थिति से निपटने के लिए खाद की पर्याप्त व्यवस्था भी की है।

उन्होंने कहा कि युद्ध का एक बहुत बड़ा चैलेंज ये भी है कि भारत में गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है। आने वाले समय में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की डिमांड बढ़ती जाएगी। फिलहाल देश के सभी पावर प्लांट्स में कोल स्टॉक उपलब्ध है। भारत ने लगातार दूसरे साल 100 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया है। पावर जेनेरेशन से लेकर पावर सप्लाई तक की हमारे सभी सिस्टम की निरंतर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। मोदी ने कहा कि भारत की भूमिका स्पष्ट है। शुरुआत से ही हमने इस संघर्ष को लेकर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। मैंने स्वयं भी पश्चिम एशिया के सभी संबंधित नेताओं से बात की है। मैंने सभी से इस तनाव को कम करने और इस संघर्ष को खत्म करने का आग्रह किया है। भारत ने नागरिकों, एनर्जी और ट्रांसपोर्ट से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का विरोध किया है। भारत हमेशा से मानवता के हित में और शांति के पक्ष में अपनी आवाज उठाता रहा है। बातचीत और कूटनीति ही इस समस्या का समाधान है।

कैबिनेट की बैठक में योगी का बड़ा फैसला

सरकार ने गेहूं पर 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई एमएसपी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्ताव लाए गए, जिनमें से 2 प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। इनमें चीनी उद्योग और लखीमपुर खीरी से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति

क्विंटल अधिक है। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद मार्च से 15 जून तक की जाएगी। राज्य के सभी 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्र बनाए जाएंगे और 8 एजेंसियों के माध्यम से खरीद होगी। इन एजेंसियों में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड और एनसीसीएफ शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार ने दुमका (झारखंड) में 2242.90 करोड़ रुपये में कोल ब्लॉक खरीदा है। इससे घाटमपुर स्थित 660 मेगावाट की तीन यूनिटों को कोयला मिलेगा।उन्होंने कहा कि अभी कोयला दूर से मंगाना पड़ता है, लेकिन झारखंड से आपूर्ति होने पर बिजली उत्पादन सस्ता होगा और उपभोक्ताओं को करीब 80 पैसे प्रति यूनिट तक सस्ती बिजली मिल सकेगी। राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी दी है।

धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका लिया, हुमायूं कबीर-ओवैसी गठबंधन पर बिफरीं टीएमसी और कांग्रेस

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के बीच गठबंधन की राजनीतिक दलों ने सोमवार को कड़ी आलोचना की। विपक्ष का कहना है कि इस तरह के गठजोड़ से वोटों का बंटवारा हो सकता है और धर्मनिरपेक्ष दलों को नुकसान पहुंचेगा। बंगाल की 294 सीटों पर दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

टीएमसी सांसद सौगत ने इस गठबंधन को नकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे मुस्लिम मतदाता अलग-थलग पड़ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी की पार्टी असल में भाजपा की मदद कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि श्कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका ले रखा है। कांग्रेस के ही सांसद उज्जवल रमन

सिंह ने कहा कि गठबंधन बनाना राजनीतिक फैसला है, लेकिन प्राथमिकता सांप्रदायिक ताकतों को हराना होनी चाहिए।

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम अक्सर भाजपा को फायदा पहुंचाती है। उन्होंने कहा, जब भी भाजपा संकट में होती है, एआईएमआईएम उसकी मदद के लिए सामने आ जाती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने एआईएमआईएम को भाजपा की बी-टीम करार देते हुए कहा कि पार्टी चुनाव में उतरकर विपक्ष के वोट काटती है, जिससे भाजपा को फायदा मिलता है। उन्होंने कहा कि बंगाल में मतदाताओं, खासकर मुस्लिम समुदाय ने पहले ममता बनर्जी का समर्थन इसलिए किया क्योंकि वे भाजपा को हराने में सक्षम थीं। लेकिन एआईएमआईएम के मैदान में उतरने से मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिलता है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। ये जिले मुस्लिम बहुल हैं, जहां मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है।

संसद में बोलीं वित्त मंत्री-

मदद की अर्जी ही नहीं दी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र और केरल सरकार के बीच जारी फंड की जंग में एक नया मोड़ आ गया है। सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ-साफ कहा कि केरल को

मिलने वाले 311.95 करोड़ रुपए के आपदा कोष पर रोक नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि केरल की ओर से मदद के लिए अभी तक अर्जी ही नहीं डाली गई है। संसद में विपक्षी सांसदों ने केरल के बकाये को लेकर सवाल उठाए थे। इसी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महत्वपूर्ण तकनीकी अंतर समझाया। उन्होंने कहा, फ्केंद्र की ओर से किसी अनुदान को मंजूरी देना एक बात है और उस राशि के लिए दावा पेश करना दूसरी बात। सीतारमण के मुताबिक, 311.95 करोड़ रुपए की यह राशि केंद्र सरकार के पास उपलब्ध है। लेकिन, केरल सरकार ने इसे पाने के लिए आवेदन नहीं दिया है।

अक्सर केंद्र-राज्य के बीच विवाद की जड़ यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट यानी उपयोगिता प्रमाण पत्र बनता है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकारी नियम के मुताबिक, पिछली दी गई राशि कहां और कैसे खर्च हुई, इसका हिसाब दिए बिना अगली किस्त जारी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य पिछली परियोजनाओं का हिसाब नहीं देते, तब तक फंड जारी करना संभव नहीं होता। केरल लगातार केंद्र पर आर्थिक नाकेबंदी का आरोप लगाता रहा है। ऐसे में वित्त मंत्री का यह बयान राज्य के दावों पर सवालिया निशान लगाता है। यह मामला आपदा प्रबंधन से जुड़ा है।

बचा हुआ डेटा खत्म करना उपभोक्ता अधिकार का हनन है-राघव चड्ढा

नई दिल्ली,एजेंसी। मोबाइल फोन के प्लान के अनुसार रोजाना मिलने वाले डेटा का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाने की स्थिति में उसका बाद में उपयोग करने की व्यवस्था होने की मांग करते हुए सोमवार को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने कहा कि यह केवल डेटा की ही नहीं बल्कि उपभोक्ता के अधिकार की भी बात है। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए चड्ढा ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति मोबाइल फोन रीचार्ज कराता है तो उसे उसके प्लान के अनुसार डेटा मिलता है। ''यह डेटा रात बारह बजे समाप्त हो जाता है।'' उन्होंने कहा ''उपभोक्ता से पैसा पूरा लिया जाता है लेकिन रात बारह बजे तक अनुपयुक्त डेटा दिन समाप्त होने के साथ ही समाप्त हो जाता है। यह अनुपयुक्त डेटा हमें अगले दिन नहीं मिलता जबकि यह हमारी मेहनत के पैसों से खरीदा जाता है।'' उन्होंने कहा ''विडंबना यह है कि रोज के डेटा की सीमा तय होती है, लेकिन मासिक डेटा सीमा नहीं होती।

जस्टिस उज्ज्वल भुइयां का बड़ा बयान

दमन और डर के साये में विकसित भारत संभव नहीं

बंगलुरू,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने सामाजिक ताने-बाने को लेकर बड़ी बात कह दी है। बंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल नारों से पूरा नहीं होगा। भुइयां ने कहा कि असहमति की आवाजों को दबाना, अंधाधुंध गिरफ्तारियां इस लक्ष्य की राह में सबसे बड़ा रोड़ा हैं। जस्टिस भुइयां ने आतंकवाद विरोधी कानून (यूएपीए) के बढ़ते इस्तेमाल पर चेताया है। उन्होंने कहा 2019 से 2023 के बीच हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सजा की दर महज

5 प्रतिशत के आसपास रही। उन्होंने कहा, इतनी कम सजा दर क्या बताती है? यह कानून का दुरुपयोग नहीं तो और क्या है? उन्होंने आगे कहा कि बिना पर्याप्त सबूतों के की गई गिरफ्तारियां न केवल अदालतों पर बोझ बढ़ाती हैं बल्कि नागरिक स्वतंत्रता का भी हनन करती है। जस्टिस भुइयां ने कहा कि एक विकसित देश में आलोचना के लिए जगह होनी चाहिए, उसे अपराध नहीं माना जाना चाहिए। इतना ही नहीं, जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में महिलाओं की कम भागीदारी पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि जिला अदालतों में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं न्यायिक अधिकारी बन रही हैं, लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंचते-पहुंचते यह संख्या क्यों गिर जाती है? उन्होंने कहा कि 1950 से अब तक सुप्रीम कोर्ट के 287 जजों में से केवल 11 महिलाएं रही हैं। उन्होंने कोलेजियम सिस्टम की सब्जेक्टिविटी पर भी सवाल उठाया है। उनका मानना है कि जब तक चयन प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ नहीं होगी।

जम्मू विश्वविद्यालय में एबीवीपी के प्रदर्शन ने किया कमाल जिन्ना, सरसैयद और इकबाल पाठ्यक्रम से बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू में स्थित जम्मू विश्वविद्यालय इन दिनों अपने राजनीति विज्ञान के परास्नातक पाठ्यक्रम को लेकर चर्चा के केंद्र में है। विश्वविद्यालय की विभागीय मामलों की समिति ने एक महत्वपूर्ण सिफारिश करते हुए पाकिस्तान के गवर्नर जनरल रहे मोहम्मद अली जिन्ना, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान और प्रसिद्ध कवि दार्शनिक मोहम्मद इकबाल से जुड़े विषयों को पाठ्यक्रम से हटाने का प्रस्ताव दिया है।

यह फैसला ऐसे समय में सामने आया है जब इस मुद्दे को लेकर छात्र संगठनों के विरोध ने जोर पकड़ लिया था। दरअसल यह पूरा विवाद नई शिक्षा नीति 2020 के तहत संशोधित पाठ्यक्रम में जिन्ना को अल्पसंख्यक और राष्ट्र नामक

अध्याय में शामिल किए जाने से शुरू हुआ। इस निर्णय के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। परिषद का कहना था कि ऐसे व्यक्तित्वों को पढ़ाना जिनका संबंध दो राष्ट्र सिद्धांत और देश के विभाजन से रहा है, राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करता है और छात्रों के बीच गलत संदेश देता है।

इस विरोध को लेकर परिषद के जम्मू कश्मीर इकाई के सचिव सन्नक श्रीवत्स के नेतृत्व में प्रदर्शन भी किए गए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि पाठ्यक्रम में तत्काल बदलाव नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी मांग रखी कि पाठ्यक्रम में ऐसे व्यक्तित्वों को शामिल किया जाए जिन्होंने अल्पसंख्यकों के कल्याण और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान दिया हो। दूसरी ओर, राजनीति विज्ञान विभाग ने इस पाठ्यक्रम का बचाव भी किया था। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बलजीत सिंह मान का कहना था कि यह पाठ्यक्रम छात्रों को आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों की व्यापक समझ देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें विनायक दामोदर सावरकर, माधव सदाशिव गोलवलकर, महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे प्रमुख विचारकों के साथ-साथ जिन्ना, सर सैयद और इकबाल को भी शामिल किया गया था ताकि छात्र विभिन्न दृष्टिकोणों को समझ सकें।

हालांकि विरोध के बढ़ते दबाव के बीच विभागीय मामलों की समिति ने सर्वसम्मति से इन विषयों को हटाने की सिफारिश कर दी। यह सिफारिश एक वर्ष और दो वर्ष दोनों प्रकार के परास्नातक पाठ्यक्रमों पर लागू होगी।

गुजरात में बोले राहुल

आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और बिरसा मुंडा का अपमान

वडोदरा,एजेंसी। राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा में आदिवासी अधिकार संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा- जब भी विकास की बात होती है तो उसका नुकसान आदिवासियों को उठाना पड़ता है। आदिवासियों की जमीन सीधे तौर पर हड़प ली जाती है। अगर कोई मूर्ति बनाना हो तो आदिवासियों की जमीन हड़प लेते हैं, अगर कोई खदान खोदना हो तो आदिवासियों की जमीन हड़प लेते हैं। इसका मतलब है कि आपके पास कोई अधिकार नहीं है। मैं जाति जनगणना की बात कर रहा हूं। जब मैं इस बारे में बात करता हूं, तो आरएसएस, मोदी जी और भाजपा के लोग मुझ पर हमला करते हैं।

पूरा देश जानता है कि इस देश की 9 प्रतिशत आबादी आदिवासी है। देश जानता है कि

15 प्रतिशत दलित हैं। 50 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग है। 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं। अडाणी जी की कंपनी की सूची खोलिए, वरिष्ठ प्रबंधन को देखिए, आपको एक भी आदिवासी नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे कहा- निजीकरण से ऐसा लगता है कि आदिवासियों और दलितों को भी लाभ मिलेगा, लेकिन निजीकरण का मतलब है कि केवल 5-7 लोगों को ही फायदा होगा। पहले सार्वजनिक क्षेत्र था। उसमें आरक्षण था। आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोग उसमें जा सकते थे, लेकिन अब नहीं। बड़े अधिकारियों की सूची देखिए। कुछ साल पहले, बजट बड़े धूमधाम से पेश किया गया था और 11 अधिकारी खड़े थे, उनकी तस्वीर खींची गई थी। मैंने सवाल किया- इसमें कहीं भी दलित या पिछड़ा वर्ग नजर नहीं आता। निजी अस्पतालों की सूची देखिए, मालिकों की सूची देखिए, कॉलेजों- विश्वविद्यालयों की सूची देखिए, कॉरपोरेट्स की सूची देखिए। इसमें आदिवासी कहां हैं?

ओडिशा में अंतिम सांसें गिन रहा माओवाद- मांझी

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने माओवाद के खात्मे को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब नक्सली अंतिम सांसे गिन रहे हैं। माओवादियों की कमर पूरी तरह टूट चुकी है। सीएम ने दावा किया है कि राज्य में अब केवल 15 नक्सली ही बचे हैं। राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि 31 मार्च 2026 तक ओडिशा को पूरी तरह से माओवाद मुक्त बना दिया जाएगा। विधानसभा में कांग्रेस विधायक ताराप्रसाद बाहिनीपति ने सीएम से सवाल पूछा था।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि वर्तमान में केवल कंधमाल जिला ही केंद्र के सुरक्षा संबंधी व्यय योजना के तहत आता है। यहां भी अब कुछ ही नक्सली ही बचे हैं। हालांकि, जमीनी हकीकत को साफ करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य के अन्य हिस्सों से नक्सलवाद का लगभग सफाया हो चुका है।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार एयरफोर्स कर्मी की खुफिया एजेंसियों ने खंगाली कुंडली

प्रयागराज। असम के चबुआ एयरफोर्स स्टेशन से शहर के लाहुरपार निवासी एयरफोर्स कर्मी सुमित कुमार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजस्थान की इंटेलिजेंस टीम ने यह कार्रवाई की है। असम के चबुआ एयरफोर्स स्टेशन से शहर के लाहुरपार

निवासी एयरफोर्स कर्मी सुमित कुमार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजस्थान की इंटेलिजेंस टीम ने यह कार्रवाई की है। इसके बाद राजस्थान पुलिस ने प्रयागराज पुलिस से संपर्क साधकर आरोपी की कुंडली खंगाली है। हालांकि, स्थानीय पुलिस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

वहीं, रविवार को एलआईयू समेत अन्य खुफिया एजेंसी एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के लाहुरपार पहुंची और सुमित की जानकारी जुटने में लगी रही। एजेंसी पता लगा रही है कि सुमित कब से प्रयागराज से बाहर था। इसके परिवार में कौन–कौन है। किन–किन लोगों से इसका संपर्क है। जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी के बाद प्रयागराज के सुमित कुमार का नाम सामने आया था। पूछताछ में झबराराम ने बताया था कि प्रयागराज निवासी एयरफोर्स कर्मी सुमित कुमार लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था। आरोप है कि सुमित वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स तक पहुंचा रहा था। उसने लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों–कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी पाकिस्तानी एजेंसियों को साझा की थी।

एसडीएम पति–पत्नी के बीच विवाद, महिला थाने में एफआईआर, शादी के पहले से ही इस बात को लेकर हो गया था मनमुटाव

प्रयागराज। एसडीएम पति–पत्नी के बीच विवाद सामने आया है। मामले में महिला थाने में एफआईआर हुई है। दहेज की मांग को लेकर यह विवाद हुआ है। शादी के पहले भी दहेज की मांग को लेकर मनमुटाव हो गया था। जनपद चंदौली सदर तहसील में तैनात एसडीएम दिव्या ओझा के पिता ने अपने दामाद पीडीडीयू नगर के तहसील में तैनात एसडीएम अनुपम मिश्रा और उनके परिवार वालों के खिलाफ महिला थाने में दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज कराई है। शहर के शुकुलपुर दहिलामऊ की रहने वाली एसडीएम दिव्या मिश्रा के पिता पूर्व प्राचार्य निशाकांत

ओझा ने दर्ज कराई गई एफआईआर में बताया कि उन्होंने अपनी एसडीएम बेटी दिव्या ओझा की शादी एक दिसंबर 2020 को प्रयागराज जनपद के नैनी एमआईजी –11 एडीए कॉलोनी के रहने वाले एसडीएम अनुपम मिश्रा के साथ की थी। दहेज में 20 करोड़ रुपये की मांग की गई लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। हैसियत के अनुसार सगाई से पूर्व 38 लाख रुपये, 40 लाख के जेवरात व सात लाख के सामान दिए। विवाह के पश्चात उनकी बेटी को दहेज के लिए निरंतर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना दी गई। कई बार गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। चंदौली जनपद के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तंत्र– मंत्र भी बेटी पर किया गया। चंदौली प्रशासन के कार्रवाई न करने पर एडीएम दिव्या ओझा के पिता निशाकांत ओझा ने एसपी से मिलकर शिकायती पत्र दिया। जिसके आधार पर महिला थाने में एसडीएम अनुपम मिश्रा, उनके पिता प्रमोद मिश्रा, मां शशि मिश्रा, बहन पूजा पांडेय व प्रीति पांडेय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

एसडीएम दिव्या ओझा के पिता की तहरीर पर उनके पति एसडीएम अनुपम मिश्रा व परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज हुई है। विवेचना के बाद विधिक कार्रवाई होगी। – प्रशांत राज हुड्डा, सीओ सिटी

पूर्व मंत्री की भतीजी हैं एसडीएम दिव्या ओझा

चंदौली सदर की एसडीएम दिव्या ओझा भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के पूर्व मंत्री की भतीजी हैं। इस घटना से परिवार के लोग खासे परेशान हैं। चंदौली एसडीएम दिव्या ओझा के पिता के अनुसार शादी तय होने के पहले ही अनुपम मिश्रा के परिजनों ने 20 करोड़ रुपये व इनोवा कार की मांग की थी। जिसे देने से मना कर दिया था। इसे लेकर मनमुटाव भी था लेकिन रिश्ता हो जाने पर सबकुछ ठीक होने की उम्मीद के चलते विवाह कर दिया गया। अनुपम की दोनों बहनें अनुपम के कार्यस्थल वाले निवास पर भी रहती थीं, जिससे विवाद की नौबत आती रही। पारिवारिक मामलों में बराबर दखल देती रहीं। बेटी पर नौकरी छोड़ने का भी दबाव बनाया जाता रहा। अनुपम के ननिहाल के लोगों से जिंदगी बर्बाद कराने की धमकी भी दी जाती थी। 20 वर्ष तक तलाक न देने व उनकी बेटी के जेवरात व रुपये रख लिए गए। उसे ब्लैकमेल भी किया जाता रहा। उसे तंत्र क्रियाओं के जरिए पागल घोषित करने का भी प्रयास किया गया। एसडीएम के पिता ने बेटी की सुरक्षा में पुलिसकर्मी तैनात करने, स्त्रीधन वापस बरामद कराते हुए प्रकरण की जांच कार्रवाई की मांग की।

एनसीआर में चेन पुलिंग के मामले घटे पर पकड़े जाने वालों की संख्या हुई दोगुनी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) द्वारा ट्रेनों में बेवजह चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ चलाए गए सघन अभियान का असर धरातल पर दिखने लगा है। सख्ती के चलते चेन पुलिंग के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं इसमें लिप्त आरोपियों के पकड़े जाने की संख्या बढ़ी है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) द्वारा ट्रेनों में बेवजह चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ चलाए गए सघन अभियान का असर धरातल पर दिखने लगा है। सख्ती के चलते चेन पुलिंग के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं इसमें लिप्त आरोपियों के पकड़े जाने की संख्या बढ़ी है। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में चेन पुलिंग के कुल 1868 मामले सामने आए थे, जिनमें 368 लोगों के खिलाफ कार्रवाई (गिरफ्तारी/जुर्माना) की गई थी। वहीं, फरवरी 2026 में कुल मामलों की संख्या घटकर 1570 रह गई, लेकिन रेलवे सुरक्षा बल ने 684 लोगों को गिरफ्तार किया।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद श्रृंगवेरपुर में धरने पर बैठे, मस्जिद हटाने की मांग पर अड़े

प्रयागराज। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद श्रृंगवेरपुरधाम में जीटी रोड पर धरने पर बैठ गए हैं। उनके साथ पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद हैं।

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद श्रृंगवेरपुरधाम में जीटी रोड पर धरने पर बैठ गए हैं। उनके साथ पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद हैं। संजय निषाद मांग है कि श्रृंगवेरपुर धाम में मंदिर के पास बने मस्जिद को तत्काल हटवाया जाए।

उन्होंने यहां पर अवैध रूप से कब्जे का भी आरोप लगाया है। धरने की सूचना पर बड़ी संख्या में फोर्स और स्थानीय पुलिस अधिकारी पहुंच गए हैं। संजय निषाद इसके पहले भी मस्जिद हटवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं।

मंत्री के धरने के चलते

हाईवे पर लगा भीषण जाम

योगी सरकार में कैबनेट मंत्री संजय निषाद समर्थकों के साथ प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर बैठ गए हैं। इसके चलते आवागन बाधित हो गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है। मंत्री मस्जिद को हटाने के साथ ही यहां पर हो रहे अवैध अतिक्रमण, अवैध खनन को भी रोकने की मांग कर रहे हैं। कहा कि निषादराज के किले का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। जाम के चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जाम में एंबुलेंस से लेकर स्कूली बच्चों के वाहन तक फंसे हुए हैं। अधिकारी मंत्री को समझाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन वह बिना किसी ठोस कार्रवाई के हाईवे खाली करने के लिए तैयार नहीं है।

मृत्युशैय्या पर पड़े लोगों का बीमा करा रहा गिरोह, पुलिस नहीं कर रही सहयोग, हाईकोर्ट पहुंचा मामला

प्रयागराज। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक गिरोह मृत्युशैया पर पड़े लोगों को चिह्नित कर विभिन्न कंपनियों से उनका जीवन बीमा कराता है। कई मामलों में तो मृत व्यक्तियों के नाम पर भी पॉलिसी ली गई है। जांचकर्ता सत्यापन के लिए जाते हैं तो गिरोह के सदस्य धमकाते हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक गिरोह मृत्युशैया पर पड़े लोगों को चिह्नित कर विभिन्न कंपनियों से उनका जीवन बीमा कराता है। कई मामलों में तो मृत व्यक्तियों के नाम पर भी पॉलिसी ली गई है। जांचकर्ता सत्यापन के लिए जाते हैं तो गिरोह के सदस्य धमकाते हैं। पुलिस जांच कर दोषियों को सजा दिलाने में सहयोग नहीं कर रही है। यह दलील इलाहाबाद हाईकोर्ट में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के वकील ने दी।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ

बिजनौर निवासी नवाब अली उर्फ नवाबुद्दीन की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। महिला ने आरोप लगाया था कि पति की मौत के बाद मिली बीमा राशि से याची ने धोखाधड़ी कर 4.8 लाख रुपये निकाले लिए। इस पर याची के वकील ने दलील दी कि पति की मृत्यु के बाद शिकायतकर्ता को दी गई 9,60,000 रुपये की परिपक्वता राशि में से चार लाख 80 हजार रुपये लिए गए हैं। ये रुपये बीमा राशि प्राप्त करने के खर्च के रूप में सहमति से लिए गए थे।

कोर्ट ने बीमा के बदले में ली गई राशि के बारे में ब्रांच मैनेजर को बुलाया था। कंपनी के वकील ने गिरोह की बात कोर्ट से बताई। इस पर कोर्ट ने विवेचनाधिकारी को केस डायरी और संबंधित रिकॉर्ड के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है। साथ ही सरकारी वकील को निर्देश दिया है कि जानकारी दें कि इस खेल में बीमा कंपनी के किसी कर्मचारी या जांचकर्ता की मिलीभगत की जांच की गई या नहीं। अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी।

प्रयागराज–कानपुर सेक्शन पर कवच सक्रिय, प्रयागराज एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनें हुई लैस

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने रविवार को प्रयागराजदृकानपुर सेक्शन (190 किमी) पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस तकनीक के सक्रिय होने से अब मानवीय चूक के कारण होने वाले हादसों पर पूरी तरह लगाम लग सकेगी। आने वाले दिनों में 160 की रफ्तार से इस ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन भी होगा।

कवच प्रणाली का औपचारिक आगाज गाड़ी संख्या 14163 संगम

कवच को सफलतापूर्वक लागू किया है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने रविवार को प्रयागराजदृकानपुर सेक्शन (190 किमी) पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस तकनीक के सक्रिय होने से अब मानवीय चूक के कारण होने वाले हादसों पर पूरी तरह लगाम लग सकेगी। आने वाले दिनों में 160 की रफ्तार से इस ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन भी होगा।

कवच प्रणाली का औपचारिक आगाज गाड़ी संख्या 14163 संगम एक्सप्रेस के माध्यम से किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह स्वयं लोकोमोटिव (इंजन) में सवार हुए। उन्होंने सूबेदारगंज से मनौरी स्टेशन तक फुटप्लेट निरीक्षण कर सिस्टम की बारीकियों और प्रदर्शन का बारीकी से आंकलन किया। फिलहाल अब पहले चरण में इस रूट पर चलने वाली आठ प्रमुख जोड़ी ट्रेनों को कवच से लैस किया गया है।

इसमें संगम के साथ प्रयागराज एक्सप्रेस, चौरी चौरा एक्सप्रेस, प्रयागराज–आनंद विहार हमसफर, जोधपुर–हावड़ा, प्रयागराज–बीकानेर, सूबेदारगंज–देहरादून और जम्मू मेल के नाम शामिल हैं।

कड़े इम्तिहान के बाद मिली हरी झंडी

सिस्टम को लागू करने से पहले रेलवे ने परीक्षण किया। डब्ल्यूएपी–7 लोकोमोटिव के साथ आठ से 22 कोच वाली एलएचबी ट्रेनों और 20 कोच वाली वंदे भारत रेक पर इसका ट्रायल हुआ। विशेष रूप से चौरी चौरा एक्सप्रेस के साथ 20,000 किलोमीटर से अधिक का यात्री ट्रायल पूरा किया गया। जो पूरी तरह संतोषजनक रहा।

अब गाजियाबाद–टुंडला सेक्शन को कवच से जोड़ने की तैयारी

– रेलवे के मिशन रफ्तार के तहत अब अगले चरण में गाजियाबाद–टुंडला सेक्शन को कवच से जोड़ने की तैयारी है। प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर सतेंद्र कुमार के नेतृत्व वाली टीम अब इस मिशन को आगे बढ़ाएगी ताकि पूरे रूट पर ट्रेनों को 160 किमी/घंटा की निर्बाध गति दी जा सके।

कवच की खासियत–

ऑटोमैटिक ब्रेकः अगर लोको पायलट सिग्नल ओवरशूट (लाल सिग्नल पार) करता है तो सिस्टम खुद ब्रेक लगा देगा।

स्पीड कंट्रोलः निर्धारित गति से तेज चलने पर ट्रेन की रफ्तार अपने आप कम हो जाएगी।

कोहरे में मददगारः खराब मौसम या धुंध में भी यह सिस्टम लोको पायलट को सिग्नल की सटीक जानकारी देगा।

हत्या में उम्रकैद की सजा पांच साल के कारावास में बदली, 72 वर्षीय आरोपी ने दायर की थी अपील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 में बांदा में हुई दोहरी हत्या में आरोपी कल्लू सिंह की उम्रकैद की सजा पांच साल में बदल दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 में बांदा में हुई दोहरी हत्या में आरोपी कल्लू सिंह की उम्रकैद की सजा पांच साल में बदल दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने दिया है। यह मामला अप्रैल 1984 की मध्यरात्रि का है। बांदा के पैलानी थाना क्षेत्र में ग्राम लसरा में भगत सिंह के घर में आरोपी घुस गए थे। भगत सिंह की बेटी रेखा और पत्नी चंदा देवी छत पर सो रही थीं। आहट होने पर रेखा ने शोर मचाया तो बगल के घर से उनके चाचा कृष्णलाल टॉर्च लेकर पहुंचे। हमलावरों ने गोलीबारी कर दी, जिससे 12 वर्षीय रेखा की मौके पर ही मौत हो गई। कृष्णलाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान अस्पताल में उन्होंने भी दम तोड़ दिया। ट्रायल कोर्ट ने 19 अक्तूबर 1985 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ कल्लू ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। मुकदमे के दौरान कृष्णलाल का मृत्युपूर्व बयान इस केस में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुआ। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मजिस्ट्रेट के सामने बयान में उन्होंने कल्लू सिंह को मुख्य हमलावर के रूप में पहचाना था। हालांकि, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि गर्दन पर गंभीर चोट से कृष्णलाल बोलने की स्थिति में नहीं थे। इस पर कोर्ट ने डॉक्टर की गवाही और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर इस बयान को विश्वसनीय माना।

ऑपरेशन में लापरवाही बरतने के आरोप में डॉक्टर दंपती पर एफआईआर, एक साल बाद हुई कार्रवाई

प्रयागराज। करेली के सदियापुर में प्रसव के बाद महिला की मौत के मामले में जिला न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने एक साल बाद डॉक्टर दंपती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि ऑपरेशन में लापरवाही बरतने से महिला की मौत हुई है। करेली के सदियापुर में प्रसव के बाद महिला की मौत के मामले में जिला न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने एक साल बाद डॉक्टर दंपती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि ऑपरेशन में लापरवाही बरतने से महिला की मौत हुई है। वहीं, डॉक्टर दंपती पर फर्जी डिग्री के सहारे अस्पताल संचालित करने का भी आरोप है। ऊंचवा टोला सदियापुर निवासी मुकेश निषाद ने एफआईआर में बताया कि 21 फरवरी 2025 को उसने अपनी गर्भवती पत्नी रोशनी को सदियापुर स्थित डॉ. आशा नयनम व कमल नयनम के अस्पताल में भर्ती कराया था। दो बार अल्ट्रासाउंड के बाद पत्नी का ऑपरेशन किया गया। आरोप है कि बेटे के जन्म के घंटों बाद भी पत्नी को होश नहीं आई।

इसके बाद डॉक्टर ने पत्नी को दूसरे निजी अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी हालात में सुधार न होने पर पत्नी को 25 फरवरी को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया। 28 फरवरी को इलाज के दौरान पत्नी रोशनी की मौत हो गई। आरोप लगाया कि बिना डिग्री के आशा नयनम और उनके पति कमल नयनम अस्पताल चला रहे हैं। कहा कि लापरवाही से इलाज करने पर पत्नी रोशनी की मौत हुई। आरोप है कि मामले को लेकर करेली थाने व पुलिस के उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसपर पीड़ित ने कोर्ट में गुहार लगाई। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है, जांच की जा रही है।

छेड़खानी मामले में दरोगा के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संतकबीर नगर के खलीलाबाद थाने में दर्ज छेड़खानी व धमकी मामले में आरोपी दरोगा मनोज को राहत दी है। मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचोरी की एकल पीठ ने दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संतकबीर नगर के खलीलाबाद थाने में दर्ज छेड़खानी व धमकी मामले में आरोपी दरोगा मनोज को राहत दी है। मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचोरी की एकल पीठ ने दिया है। याची के अधिवक्ता प्रिंस कुमार श्रीवास्तव ने दलील दी कि 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी झूठी और मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित है। प्राथमिकी घटना के करीब सात महीने बाद धारा–156(3) के तहत दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने मामले को विचारणीय माना है। राज्य सरकार की ओर से सरकारी वकील ने नोटिस स्वीकार कर लिया है, जबकि विपक्षी को संबंधित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के माध्यम से नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने विपक्षी को तीन सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का समय दिया है।

सीजीएचएस में आकस्मिक व्यय के लिए पांच गुना अधिक एडवांस, मरीजों की सुविधाओं में भी होगा इजाफा

प्रयागराज। सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) के तहत संचालित सीजीएचएस इकाइयों, वेलनेस केंद्रों, आयुष वेलनेस केंद्रों, फील्ड कार्यालयों और अतिरिक्त निदेशकों के कार्यालयों के आकस्मिक व्यय (आवर्ती एवं गैर–आवर्ती दोनों) को पूरा करने के लिए स्थायी अग्रिम (इंप्रेस्ट मनी) में ढाई से पांच गुना वृद्धि की गई है। सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) के तहत संचालित सीजीएचएस इकाइयों, वेलनेस केंद्रों, आयुष वेलनेस केंद्रों, फील्ड कार्यालयों और अतिरिक्त निदेशकों के कार्यालयों के आकस्मिक व्यय (आवर्ती एवं गैर–आवर्ती दोनों) को पूरा करने के लिए स्थायी अग्रिम (इंप्रेस्ट मनी) में ढाई से पांच गुना वृद्धि की गई है, ताकि दैनिक आकस्मिक व आपातकालीन खर्चों को पूरा किया जा सके। इससे सीजीएचएस की डिस्पेंसरियों व अपर निदेशक कार्यालयों के संचालन में सहूलियत होगी और वहां आने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी। गर्मी नजदीक आ रही है। मरीजों के बैठने के स्थान पर लगे पंखे, कूलर की मरम्मत के लिए अब पर्याप्त एडवांस मिल सकेगा। अपर निदेशक कार्यालय को मिलने वाली स्थायी अग्रिम यानी इंप्रेस्ट मनी 20 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है।

सीजीएचएस यूनिट, पॉलिक्लीनिक, लैब, वेलनेस सेंटर (एलोपैथी एवं आयुष), फील्ड कार्यालय एवं अस्पताल को मिलने वाली इंप्रेस्ट मनी की सीमा 10 हजार से बढ़कर 25 हजार रुपये की गई है। यह धनराशि केवल दैनिक आकस्मिक व्ययों के लिए होगी। इससे उपकरणों और यंत्रों की मरम्मत, अतिरिक्त पुर्जों की खरीद, अपरिहार्य कार्यात्मक उद्देश्यों के लिए आवश्यक स्टेशनरी की खरीद की जा सकेगी। इस धनराशि से रेफ्रिजरेटर की मरम्मत भी कराई जा सकेगी। रेफ्रिजरेटर में इंसुलिन आदि को उचित तापमान में रखा जाता है। रेफ्रिजरेटर बिगड़ने पर इंसुलिन खराब होने की आशंका बनी रहती है। अगर पहले से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध रहेगी तो रेफ्रिजरेटर की मरम्मत समय से कराई जा सकेगी। वहीं, ओपीडी में मरीजों के बैठने के लिए कुर्सियों की मरम्मत भी कराई जा सकेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्थायी अग्रिम का उपयोग केवल आधिकारिक उद्देश्यों के लिए ही किया जाना चाहिए। देरी या दुरुपयोग होने पर वसूली और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। स्वीकार्यता के संबंध में संदेह होने पर लेखा विभाग से पूर्व स्पष्टीकरण प्राप्त करना होगा। यह खर्च भी ऑडिट के दायरे में आएगा।

सिलिंडर का संकट, खुलीं किताबें, चूल्हे बंद, प्रतियोगी छात्रों पर एलपीजी गैस की मार

प्रयागराज। राजापुर, सलोरी, छोटा बघाड़ा, कटरा, अल्लापुर, तेलियरगंज समेत अन्य जगहों पर रहने वाले प्रतियोगी विद्यार्थियों के सामने भी गैस सिलिंडर का संकट है। आपूर्ति बाधित होने कई छात्रों के कमरों पर 15 दिन से चूल्हा नहीं जला। राजापुर, सलोरी, छोटा बघाड़ा, कटरा, अल्लापुर, तेलियरगंज समेत अन्य जगहों पर रहने वाले प्रतियोगी विद्यार्थियों के सामने भी गैस सिलिंडर का संकट है। आपूर्ति बाधित होने कई छात्रों के कमरों पर 15 दिन से चूल्हा नहीं जला। उनका कहना है कि भरपेट भोजन न मिलने से पढ़ाई भी नहीं हो पा रही है। किताबें तो खुल रही हैं लेकिन चूल्हे बुझ गए हैं। इन इलाकों में रहने वाले अधिकांश छात्र सीमित संसाधनों में जीवनयापन करते हैं। अधिकांश छात्र कमरे पर ही गैस–सिलिंडर से खाना बनाते हैं। लेकिन, आपूर्ति बाधित होने से उन्हें दिक्कतें हो रही हैं। छात्रों को होटलों, ढाबों पर बाहर खाना खाना पड़ रहा है। जिस वजह से उनका बजट बिगड़ गया है। इसका असर उनकी पढ़ाई पर पड़ रहा है।

ईदगाह में दिखी गंगा जमुनी तहज़ीब नमाजियों पर पुष्प वर्षा

प्रयागराज। विगत वर्षों की भांति ईदुल फितर के शुभ अवसर पर ईदगाह पर भारतीय जनहित कल्याण समिति सचिव रज़िया सुल्तान एडवोकेट हाई कोर्ट के तत्वधान में सर्व धर्म सद्भाव ईद मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मशीन से गुलाब पुष्प वर्षा से नमाज़ी गद गद दिखाई दिए।

सर्व धर्म के लोगों ने रज़िया सुल्तान के साथ मिल कर नमाजियों को गुलाब पुष्प, मिनरल वाटर, चाशनी सिवाई भेट कर ईद की मुबारक बाद दी नवरात्रि के पावन अवसर पर ईदगाह में

तिलक धारी व सफेद पोश नमाज़ी आपस में गले लग कर ईद की मुबारक बाद दी। गंगा जमुनी तहज़ीब व कौमी एकता की मिसाल पेश करते हुए रज़िया सुल्तान ने ईदगाह के पेश ईमाम वज़ाहत हुसैन तथा ड्यूटी पर तैनात डी सी पी मनीष चंद्रयाल, ए सी पी रवि गुप्ता, सी ओ ट्रैफिक शैलेन्द्र परिहार, सिटी मजिस्ट्रेट, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली संजय कुमार राय, चौकी प्रभारी जी पी पांडेय को पुष्प गुच्छ दे कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर रज़िया सुल्तान के साथ पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर, डॉ सुशील कुमार सिन्हा, गिरीश चंद्र त्रिपाठी पूर्व चांसलर बी एच यू, फादर अजीत फ्रांसेस, इंजीनियर सरोश, डॉ मंजीत, अरशद अली, अशोक सिंह हाई कोर्ट बार अध्यक्ष, डॉ मिंजा क़मर, राय साहब यादव, श्याम सुंदर सिंह पटेल, मो ममरुद्दीन खां, डॉ प्रमोद शुक्ला, मो मामून, जैलेश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण हेतु वैदिक उपायों पर विषय पर दो दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के गंगा सभागार में पर्यावरण के संरक्षण हेतु वैदिक उपायों पर विस्तृत चर्चा हेतु दो दिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारम्भ परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. बनमाली विस्वाल की अध्यक्षता में आज दिनांक 23–03–2026 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय, भूतपूर्व वैज्ञानिक एवं परामर्शदाता, भारत सरकार ने इस अवसर पर वेदों में वर्णित पर्यावरण संरक्षण के उपायों का अत्यन्त सहज एवं यथार्थ विवरण प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने वैदिक साहित्य में "पर्यावरण" की अवधारणा को प्रकृति विश्वास, देव पूजन एवं जीवन संतुलन के विशेष उपाय के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने पर्यावरण की वैदिक अवधारणा विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने वैदिक पर्यावरण सिद्धान्त विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत कर उपस्थित छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बनमाली विस्वाल ने पर्यावरण संरक्षण हेतु वेदों में वर्णित उपायों का सन्दर्भित विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे एवं प्रो. मनोज कुमार मिश्र, वेद विभागाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसके पूर्व व्याख्यानमाला का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं मंगलाचरण के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि", प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, अंकित मिश्र, राजेशकान्त तिवारी, सन्दीप कुमार, राजीव कुमार समेत परिसरीय अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण समुपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा में प्रगति पर अभिविन्यास कार्यशाला का सफल आयोजन

प्रयागराज। सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज में कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, राँची कैंपस, झारखण्ड के सहयोग से 'उच्च शिक्षा में प्रगति / आगे बढ़ने पर अभिविन्यास कार्यशाला' का सफल आयोजन 23 मार्च 2026 को मिनी ऑडिटोरियम में अपराह्न 1रू30 बजे से 2रू30 तक किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अनुराग सेठ, चीफ ऑपरेटर ऑफिसर (ब्ब्) राँची कैंपस, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, झारखण्ड थे। इन्होंने विद्यार्थियों को उनके भविष्य निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इन्होंने अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बारे में छात्रों को जानकारी दी। यह विश्वविद्यालय अपने परोपकारी उत्साह और सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है; जिसका उद्देश्य क्षेत्र की सामाजिक और विकासात्मक आवश्यकता से जुड़ा हो और ज्ञान और मानव संसाधन निर्माण में योगदान दे। महाविद्यालय के मुख्य संरक्षक चौ. राघवेन्द्र नाथ सिंह की अध्यक्षता और प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ सत्येन्द्र तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. रुचिका वर्मा, समन्वयक, कैरियर काउंसलिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजयलक्ष्मी सक्सेना ने दिया। कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग के सह–समन्वयक डॉ. वीरेश्वर पाण्डे, तथा संयोजक डॉ. गोविन्द गौरव एवं डॉ. सत्येन्द्र कुमार तथा सदस्य डॉ. शर्मिला, डॉ. अर्चना राजे उपस्थित रहे। महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र/छात्राओं की भारी संख्या में उपस्थिति रही। छात्रों की जिज्ञासा और उत्साह सराहनीय रही।

भावापुर में हुआ भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन

'यह रोटी है, यह सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि इससे आत्मा की तृप्ति होती है, यह रोटी है..... रवीन्द्र कुशवाहा'

प्रयागराज। सरला राजेंद्र वेलफेयर फाउंडेशन प्रयागराज के द्वारा सरला श्रीवास्तव व राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव की स्मृति में भावापुर में रविवार को एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया । पुत्रगण कवि शरत चंद्र श्रीवास्तव ष्सरलष् एवं अखिलेश चन्द्र श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता राम कैलाश पाल ष्प्रयागीष् ने की तथा संचालन डॉ. ब्रजेश खरे ने किया। मां शारदे के पूजन अर्चन के बाद कवि ष्सरलष् द्वारा सरस्वती वंदना की मोहक प्रस्तुति के साथ कवि सम्मेलन आरम्भ हुआ। देवनाथ सिंह ष्देवष् ने मस्त अंदाज़ में कहा कि ष्चमन के वास्ते अमन की बात करें, ताज़गी जिससे मिले उस चमन की बात करेंष् तो शम्भू नाथ श्रीवास्तव ष्शम्भुष् ने छंदों के माध्यम से होली का मादक स्वरूप दिखाया । कवयित्री ब्रह्माणी तिवारी ने अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया तो राकेश मालवीय ष्मुस्कानष् के बालगीत ने उपस्थित बच्चों में जोश का संचार कर दिया। राजीव ष्नसीबष् ने जब श्गुफ्तगू कीजिए ज़िन्दगी से हुजूर श गजल पढ़ी तो श्रोता झूम उठे। शैलेन्द्र ष्जयष् ने पिता की स्मृतियों को संजोते हुए कहा कि ष गुनाह के बीज बोने नहीं दिया, कभी हताश भी होने नहीं दिया , कहां से ले आते थे खिलौना हमें रोने नहीं दिया।

कवि– कलाकार रवींद्र कुशवाहा ने जीवन की सच्चाई का खाका खींचते हुए रोटी पर पंक्तियां रखीं , ष्यह रोटी है, सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि इससे आत्मा तृप्त होती है, यह रोटी हैष् संयोजक ष्सरलष् ने व्यंग्य को उकेरते हुए श्मनरेगा जी राम जीश की रचना से सच्चाई को आईना दिखाया, संचालन कर रहे डॉ. ब्रजेश खरे ने मां पर पढ़ा श्अलौकिक मैकेनिज्म है ये इसे विज्ञान जाने ना, दर्द बेटे को तड़पे मां, हंसे बेटा तो उछले मां, तो तालियों से पंडाल गूंज उठा। अंत में सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे पाल प्रयागी ने अपने चिर परिचित अंदाज़ में मुक्तक सुनाए श जब तक ज़मीन है जिंदा, आसमान है जिंदा, खेत से खलिहान तक किसान है जिंदा, किसानों का कोई भूलकर सम्मान न छीने, इन्हीं के दम पर हिंदुस्तान है ज़िंदा।श यादगार कवि–सम्मेलन के लिए श्रोताओं ने महिमा अकादमी के निदेशक अखिलेश चन्द्र श्रीवास्तव को बधाई दी।

सत्याग्रह में पहुँची नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम

29 मार्च को प्रथम चरण में वर्तमान दर्ज भूमि की होगी पैमाइश

निहित स्वार्थ में तोड़े गए सार्वजनिक व सरकारी बारादारी का निर्माण मानकपूर्ण तरीके से सरकार द्वारा कराये जाने की हुई मांग

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में रविवार को धाम की भूमि को अनाधिकार कब्जा से मुक्ति दिलाने व निहित स्वार्थ में मनमाने पन पर उतारू अनाधिकृत व्यक्तियों के नियंत्रण की माँग के साथ प्रबन्ध संस्था द्वारा सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह दोपहर 12 बजे से देर शाम तक जारी रहा. इसी बीच नायब तहसीलदार सदर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की स्थानीय टीम ने प्रबन्ध समिति के साथ भू अभिलेखों व मैप का मुआयना किया और प्रथम चरण में तय किया कि उच्चाधिकारियों को अवगत कराके सुयोग्य टीम का गठन करके आगामी रविवार 29 मार्च को वर्तमान दर्ज भूमि का चिन्हाकित करके अवैध कब्जा हटाने की विधिक प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

वहीं प्रबन्ध समिति व स्थानीय समाज ने भी राजस्व टीम का स्वागत करते हुए बताया कि हम लोग अपना सत्याग्रह जारी रखेंगे और नाप जोख में भी सामूहिक सहयोग हेतु तत्पर रहेंगे लेकिन सभी माँग पूरी होने तक सत्याग्रह अनवरत चलता रहेगा।

सत्याग्रह का शुभारंभ भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने किया. वहीं अध्यक्षता धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल ने किया . संचालन व संयोजन करते हुए महासचिव समाज शेखर ने सभी को संस्थान के उदेश्यो, सदस्यता आदि पर चर्चा करते हुए धाम व धाम से जुड़ी प्राचीन सार्वजनिक भू संपत्ति के संदर्भ में राजस्व अभिलेखों व नक्सा को राजस्व अधिकारी व कर्मियों सहित सभी के समक्ष माफिया पोर्टल पर इस मामले को पंजीकृत करेगा. यह भी तय हुआ कि आवश्यकता होगी तो एक प्रतिनिधि मंडल माननीय मुख्यमंत्री योगी जी से भी मिलकर समस्या के समाधान की अपील करेगा. वहीं सभी ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से माँग कि है कि अनाधिकार कब्जा हेतु प्रयासरत निहित स्वार्थी तत्वों पर नियंत्रण परम आवश्यक है. तोड़े गए सरकारी बारादारी को सरकारी नियंत्रण में आर ई एस अथवा नगर पंचायत द्वारा बनाया जाए. दोनों विभाग के पास धाम पर योजना प्रस्तावित है और वह कार्य हेतु पहले सहमत भी है. सभी ने कहा की सरकारी योजनाओं का हम सभी निस्वार्थ भाव से स्वागत करते है और हर संभव सहयोग हेतु तत्पर रहेगें. सत्याग्रह में देवता की भूमि देवता को दें के नारे भी लगे। अंत में धाम के जीवन पर्यंत सेवक रहे कीर्ति शेष हीरा लाल पाल जी के निधन पर सभी ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की और उनके आत्मा की शांति के साथ स्वर्ग में स्थान देने की भोले भयहरणनाथ महादेव से कामना की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल जी, देवी प्रसाद मिश्र, उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, सचिव कार्यक्रम आलोक बैरागी, सचिव प्रशासन चिंता मणि त्रिपाठी, सचिव मीडिया डॉ परमा नंद मिश्र, कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य प्रबन्ध समिति सदस्य प्रभाकर पांडेय, मेला समिति के उप संयोजक बुद्धि प्रकाश, शत्रुघन सिंह, मंदिर समिति के सचिव सचिदानंद पांडेय, धर्मेंद्र पटेल, पूर्व प्रधान सुखेंद्र सिंह, अंकित सिंह, अंशुमान सिंह, देवेंद्र नारायण मिश्र, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, कुलदीप पांडेय व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र तथा स्वच्छता नायक राज कुमार ने विशेष रूप से सहभागिता की।

बिहार में डॉ.पीयूष को मिला सारस्वत सम्मान

रायबरेली। ऊंचाहार क्षेत्र के गांव सादे की बाजार निवासी संस्कृत प्राध्यापक, चिन्तक एवं युवा साहित्यकार डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष को बिहार राज्य के महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में सारस्वत सम्मान से नवाजा गया है। शनिवार को विश्वविद्यालय में कालिदास साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक ने अंगवस्त्रम्, स्मृति चिह्न, बुके, किट प्रदान कर डॉ. पीयूष को सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के वृहस्पति सभागार में विगत 20 से 21 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय विद्या परम्परा में कालिदास साहित्य की शाश्वतता विषय पर व्याख्यान देने के लिए विशिष्ट वक्ता के रुप में डॉ. पीयूष मिश्र को आमंत्रित किया गया था। इस संगोष्ठी में इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विद्वान संस्कृत आचार्य प्रो. अनिल प्रताप गिरि प्रमुख वक्ता के रुप में मंचासीन रहे। अपने वक्तव्य में उन्होंने कालिदास साहित्य की वैश्विक उपादेयता का बखूबी बखान किया। इविवि के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. अनिल कुमार तथा प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज, संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने भी संयुक्त रुप से कालिदास साहित्य की प्रासंगिकता पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। सभी व्याख्याता अतिथियों का सामूहिक विद्वत सम्मान किया गया।सम्प्रति डॉ. पीयूष मिश्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में संस्कृत प्राध्यापक के रुप में अध्यापकीय सेवा दे रहे हैं। इस सारस्वत उपलब्धि पर रतिपाल शुक्ल, कवि देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती, डॉ. प्रिया झा, डॉ. पूजा सिंह, विकास पाण्डेय, उत्पल, देशराज, परिमल मयंक, रिंकी मिश्रा, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. मनोज यादव, हरिश्चंद्र मिश्र, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. रसराज अवनेन्द्र पाण्डेय, अंजनी यादव, डॉ. आनन्द त्रिपाठी, डॉ. अखण्ड प्रताप पाल, डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, पुनीत मिश्र, डॉ. समाज शेखर, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, अनन्तजी मिश्र, फलक अंजुम सहित बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार एवं प्रयाग के सभी सुधी सदस्यों ने खुशी जताई है।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा समय की लाठी (कहानी संग्रह), अंतिम मुलाकात (कहानी संग्रह) चाहे कृष्ण कहो या राम (कविता संग्रह) का लोकार्पण सम्पन्न

इक्कीस रचनाकारों को 'शोभा देवी स्मृति साहित्य सम्मान' से अलंकृत किया गया

प्रयागराज। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के तत्वावधान में साहित्यकार सम्मान एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह कल बेली अस्पताल के सामने जजेज कॉलोनी में डॉ (इं) उमेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर बालकृष्ण पांडेय और विशिष्ट अतिथि डॉ उषा मिश्रा रहीं। संचालन साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के उप सम्पादक डॉ योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु ने किया। मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया। आयोजक साहित्यकार डॉ० भगवान प्रसाद उपाध्याय ने सभी का स्वागत किया और शंभूनाथ श्रीवास्तव ने वंदना प्रस्तुत कर समारोह को गति प्रदान की।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा प्रकाशित कहानी संग्रह समय की लाठी (प्रेम कुमार त्रिपाठी) अंतिम मुलाकात (कहानी संग्रह) डॉ सतीश बब्बा , चाहे कृष्ण कहो या राम (कविता संग्रह) डॉ ऐश्वर्या सिन्हा चित्रांश का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों सहित सभी को श्री मती शोभा देवी स्मृति साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया जिसमें डॉ वीरेंद्र कुमार तिवारी, डॉ दया शंकर प्रसाद, डॉ राम लखन चौरसिया वागीश, डॉ राम सुख यादव, रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ रंजन पाण्डेय, पं० राकेश मालवीय मुस्कान, डॉ प्रदीप कुमार दुबे श्रीमती जया मोहन, पंडित राम पाल त्रिपाठी, श्रीमती माया त्रिपाठी, प्रदीप सिंह, सतीश कुमार गुप्ता, राम शंकर पटेल सहित कुल इक्कीस साहित्यकारों को सम्मान पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। अंत में आभार जताया डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने।

प्रेम की पहली सीढ़ी

(छप्पय)

जीवन के संवाद प्रात बनकर जब छाए।
गुनगुन करता प्रेम सभी के दिल को भाए।
ढाई अक्षर मात्र अर्थ जिसका है गहरा।
बंधन से हो मुक्त न रखना कोई पहरा।
सच्चाई की राह है विश्वासों की जीत है।
अनुबन्धो के बन्ध में अप्रतिम प्रियतम प्रीत है।।

अनुरागी–अनुराग बताती हर इक पीढ़ी।
निर्मल मन की प्रीत प्रेम की पहली सीढ़ी।
खुद ही खुद को मेट त्याग की मूरत गढ़ के।
बन उसके अनुरूप सभी को अपना कहके।
धर्म–कर्म, धन–प्रेम है जिसने जाना है इसे।
धूप– छाँव सम भाव रख देती हैं खुशियाँ उसे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

इंडियन बैंक के तत्वावधान में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन संपन्न

लखनऊ। इंडियन बैंक द्वारा भारतीय श्बैंकिंग व्यवस्था में प्रौद्योगिकी संचालित परिवर्तन की भावी संकल्पनाएंश विषयक अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री मालिनी अवस्थी, विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह एवं डॉ. छबिल कुमार मेहेर, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन ने कार्यालय, उत्तर–प्, भारत सरकार की उपस्थिति रहीं। सम्मेलन की अध्यक्षता ब्रजेश कुमार सिंह, कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक द्वारा की गई। इस अवसर पर वी एन माया, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट कार्यालय सुधीर कुमार गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक, एफजीएमओ लखनऊ, पंकज कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक व अंचल प्रबंधक, लखनऊ, बीना कुमारी एमपी, प्राचार्य, स्टाफ कॉलेज, लखनऊ, राजेश कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कॉर्पोरेट कार्यालय एवं देश भर से पधारे अन्य बैंकों के प्रतिभागीगण, अखिल भारतीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागीगण, पुरस्कार विजेताओं एवं इंडियन बैंक के राजभाषा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कहा कि भाषा अपने संस्कृति की वाहिका होती है। हिंदी में एक संस्कृति से दूसरे संस्कृति को जोड़ने की क्षमता है। उन्होंने यह भी कहा कि राजभाषा के प्रचार–प्रसार में इंडियन बैंक अपनी भूमिका गंभीरता से निभा रहा है। पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह ने कहा कि राजभाषा में आंकड़ों के बजाय व्यवहार्यता पर ध्यान देना चाहिए। विज्ञापन एवं व्यापार के लिए आज हिंदी भाषा को सबसे सशक्त भाषा माना जाता है। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि स्वराज, स्वभाषा के साथ ही हमारे देश की अन्य भाषाएँ भी महत्वपूर्ण है। हमारा बैंक भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन एवं कार्यान्वयन हेतु सदैव प्रतिबद्ध एवं तत्पर रहा है।

कहानी संग्रह समय की लाठी का हुआ विमोचन

शोभा देवी स्मृति साहित्य सम्मान से नवाजे गए प्रेम कुमार

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी की कहानी संग्रह श्समय की लाठीश का विमोचन साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के तत्वावधान में जजेज कॉलोनी में आयोजित पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह में कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उमेश शर्मा मुख्य अतिथि डॉ. बालकृष्ण पांडेय विशिष्ट अतिथि डॉ. ऊषा मिश्रा एवं संपादक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय द्वारा किया गया स इसके साथ ही जौनपुर की रचनाकार डॉ. ऐश्वर्या सिन्हा की पुस्तक चाहे कृष्ण कहो या राम तथा चित्रकूट के लेखक सतीश बब्बा की कहानी संग्रह अंतिम मुलाकात का लोकार्पण भी किया गया स इस अवसर पर जनपद के कथाकार प्रेम कुमार को उनकी लोकार्पित कृति समय की लाठी के लिए शोभा देवी स्मृति साहित्य सम्मान प्रदान किया गया स जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्न श ने बधाई देते हुए कहा कि कहानी लेखन के क्षेत्र में प्रेम कुमार जनपद का गौरव बढ़ाकर मुंशी प्रेमचंद की विरासत को संभालने का काम कर रहे हैं स वरिष्ठ गीतकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल श्याम ने कहा कि प्रेम कुमार की कहानियों में प्रेमचंद की झलक देखने को मिलती हैं स जनपद के अन्य साहित्यकार प्रेम कुमार की इस उपलब्धि पर गदगद हैं स मालूम हो कि प्रेम कुमार अब तक दो सौ से अधिक कहानियां लिख चुके हैं स उनकी कहानी संग्रह नीलकमल खिल गया प्रकाशनाधीन है।

उत्तर मध्य रेलवे

No. DYCE-II-GSU-PRYJ-07-2026 दिनांक: 20.03.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू/प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा- दो पैकेट प्रणाली)। बोली लगाने वाले अपने मूल/ सक्षोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्या : DYCE-II-GSU-PRYJ-07-2026	अनुमानित लागत: ₹ 163.33 करोड़
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के अंबियापुर-टुंडला खंड में एलसी संख्या 25 के स्थान पर किलोमीटर 1153/13-15 पर एफओबी के साथ 2 लेन आरओबी (एंड टू एंड) का निर्माण, किलोमीटर 1154/23-25 पर एलसी संख्या 26 के स्थान पर 2 लेन आरओबी (एंड टू एंड) का निर्माण और किलोमीटर 1226/9-11 पर एलसी संख्या 60 के स्थान पर एफओबी के साथ 2 लेन आरओबी (एंड टू एंड) का निर्माण।	
धरोहर राशि: ₹ 3,26,65,500/-	निविदा फार्म का मूल्य: 0.00/-
खुलने की तिथि: 14.04.2026, 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि: 15 महीने

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आयकर I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 645/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

अमरीका ईरान के खिलाफ अपने युद्ध की सबसे बड़ी 'विडंबना' को समझने में चूक गया

इतिहास में किसी भी युद्ध के बताए गए औचित्यों के पीछे, चाहे वे न्यायसंगत कारण हों, परमाणु खतरे हों, सच परिवर्तन हों, मूल सत्य एक ही है–संघर्ष हमेशा से संसाधनों की खोज रहा है। ईरान युद्ध महज इसका नवीनतम अध्याय है। गाजा और तेहरान पर एकतरफा बमबारी और एक मौजूदा राष्ट्राध यक्ष के अपहरण के बाद, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शायद खुद को यह यकीन दिला दिया था कि इसी तरह की रणनीति से ईरान को कुछ ही घंटों में कुचल दिया जाएगा। लेकिन 3 सप्ताह से चल रहे इस लगातार बढ़ते संघर्ष में, यह भ्रम बेरहमी से टूट गया है। 9 करोड़ से अधिक आबादी वाले ईरान की कुल आबादी अमरीका के युद्धक्षेत्रों वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। इसके 40 लाख से अधिक नागरिक पश्चिमी देशों में रहते हैं, जो अब अपने वतन को जलते हुए देख रहे हैं। हजारों वर्षों की सभ्यतागत स्मृति वाले इतने बड़े राष्ट्र को आसानी से अधीन नहीं किया जा सकता। अली खामेनेई की हत्या से ईरानी राज्य का पतन नहीं हुआ, इसने राज्य को विकेंद्रीकृत कर लिया है, जिससे किसी एकजुट शत्रु से भी अधिक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है। नेतृत्वहीन आंदोलन से न तो बातचीत की जा सकती है, न ही उसे रोका जा सकता है और न ही उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। केंद्रीकृत सत्ता की जगह अराजकता ने नहीं, बल्कि उससे भी कहीं अधिक कठोर शक्ति ने ले ली है–'खोने को कुछ नहीं बचा' का दृढ़ संकल्प। जो व्यक्ति एक ही दिन में अपने पूरे परिवार को खो देता है, वह बदला लेने की योजना बनाते समय सफलता की संभावनाओं का आकलन नहीं करता। किसी राष्ट्र के नेता, उसके परमाणु वैज्ञानिकों और उसके कमांडरों की बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लक्षित हत्या ने एक ऐसा द्वार खोल दिया है, जिसे बंद नहीं किया जा सकता। यदि अमरीकी और इसराईली सेनाएं ईरान में स्कूली छात्राओं और ज्यूरिख में वैज्ञानिकों को मार सकती हैं, तो किस सिद्धांत के आधार पर अमरीकी कंपनियों के सी.ई.ओ. ईरानी सेनाओं के निशाने से बाहर रहेंगे? यह नागरिकों को निशाना बनाने का तर्क नहीं है, एक चेतावनी है कि वैध लक्ष्यों का चुनाव एकतरफा नहीं होता। अमरीका ने युद्धोत्तर अंतर्रा+ष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माता और प्रवर्तक के रूप में 8 दशक बिताए। ईरान में जो ध्वस्त किया जा रहा है, वह केवल एक शत्रुतापूर्ण शासन नहीं, बल्कि वह ढांचा ही ध्वस्त हो रहा है। तेहरान कुछ ऐसा समझता है जो इस अभियान के समर्थक नहीं समझते। एक ऐसा राष्ट्र, जिसने ईराक के साथ 8 साल का युद्ध झेला, रासायनिक हथियारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कठोर प्रतिबंधों का सामना किया, आसानी से टूटता नहीं। तीन सहस्राब्दियों पुरानी सभ्यता समय को समाचार चक्रों या अमरीकी चुनाव कार्यक्रमों के हिसाब से नहीं मापती। इतिहास महाशक्तियों द्वारा अभिमानी राष्ट्रों को बलपूर्वक अधीन करने के प्रयासों के बारे में एक समान निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। वियतनाम, अफगानिस्तान और ईराक के उदाहरण लीजिए। सैन्य शक्ति को 'लडने की इच्छाशक्ति' समझ लेना बहुत भारी कीमत चुकाने का कारण बनता है। हर युद्ध इस धारणा पर आधारित रहा है कि वह समाप्त हो जाएगा। इस धारणा के लिए नियमों की आवश्यकता होती है। यह शत्रु को रियायत देने के लिए नहीं, बल्कि समझौते की पूर्व शर्त के रूप में होता है। पूर्ण मनमानी विजय नहीं, बल्कि हिंसा की स्थायी स्थिति पैदा करती है, जिससे आबादी कट्टरपंथी हो जाती है और हर रास्ता बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि नियम–आधारित व्यवस्था की मौत से सबसे अधिक पीड़ित वही राष्ट्र होगा, जिसने इसे नष्ट किया है। अमरीका की शक्ति उन सहयोगियों के स्वैच्छिक सम्मान पर टिकी थी, जो मानते थे कि नियम वाशिंगटन सहित सभी पर लागू होते हैं। वह विश्वसनीयता अब समाप्त हो चुकी है। संसाधनों के लिए हमेशा से संघर्ष होता रहा है। लेकिन किसी भी महाशक्ति के पास सबसे कीमती संसाधन तेल, क्षेत्र या परमाणु क्षमता नहीं है, बल्कि यह उस विश्व का विश्वास है, जिसका नेतृत्व वह करना चाहती है। इस संसाधन को बलपूर्वक हासिल नहीं किया जा सकता और एक बार खो जाने पर, किसी पर बमबारी करके इसे वापस नहीं पाया जा सकता।

एक 'भोग अरदास' जिसने दिए हजारों सबक

तरुण विजय

अनेक वर्ष बीत गए, परन्तु यह घटना सत्य है। एक राज्य के बड़े मंत्री थे, बड़ी ऊंचाई तक पहुंचे, शायद सबसे महंगी

गाड़ी में आते थे। उनको नमस्ते करें तो वह समझते थे कोई छोटा–मोटा उनकी ऊंचाई से प्रभावित है, बस गर्दन हिला देते थे जवाब में। जब मैं सांसद था, तब उनके व्यवहार को देखकर मैंने एक दिन एक समारोह में पीछे से नाम पुकारा और एक ही वाक्य कहा–जनाब इतना अहंकार लेकर कहां जाओगे? वह इस बार गर्दन हिलाना भूल गए, स्वयं ही मुड़ गए और मेरी तरफ देखकर बोले, क्या–क्या? मैं सिर्फ मुस्कुराया और मंच पर अपनी सीट पर बैठ गया। नेताओं का अहंकार एक हास्यास्पद व्यवहार होता है। जब सत्ता जाती है तब ऐसों के द्वार पशु भी नहीं आते। लेकिन जो अपनी विनम्रता से सबके बन जाते हैं, उनके लिए सत्ता का आना–जाना कोई अर्थ नहीं रखता। तरनजीत सिंह संधू वाशिंगटन में हमारे राजदूत थे, अनेक बार वहां मिलना हुआ। वह मुझे कई बार वहां के प्रसिद्ध भारतीय रेस्तरां रसिका में ले गए। फिर अमृतसर से चुनाव लड़ा और अब दिल्ली के उपराज्यपाल बने हैं। मुझे लगा वह इतने साल की मुलाकातें भूल गए होंगे, पर उन्होंने याद रखा। मुझे बुलाया और शपथ समारोह में बड़े–बड़े मंत्रियों की भीड़ में मुझे पुकार कर अभिवादन किया, यह व्यवहार पंजाब के अधिकांश नेताओं के व्यवहार से बिल्कुल भिन्न है। रोपड़ की एक भोग अरदास की रस्म, जो किसी के दिवंगत होने के बाद आयोजित होती है, इस विषय में आंखें भिगोने वाली है। नगरपालिका पार्षद का पद राजनीति में क्या मायने रखता है? अति सामान्य कहेंगे। लोग यहां से प्रधान और विधायक या सांसद की सीढ़ी चढ़ते हैं। यहां से एक पार्षद पम्मी सोनी थे, युवा और दबंग। उनका 60 साल की आयु में अचानक निधन हो गया तो शहर के मानो हर घर में शोक फैल गया। गुरुद्वारा टिब्बी साहिब में भोग अरदास की रस्म हुई तो हजारों लोग आए। यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ। न विधायक, न सांसद, न मंत्री, फिर भी लोग इतने दुखी क्यों हुए? एक ही कारण था–पम्मी सोनी का व्यवहार। हंसते हुए गया और जग को रुला गया। उसने कभी किसी का साथ न छोड़ा, सबके सुख–दुख में रल–मिलकर शामिल हुआ, जैसे कोई अपने घर में बिजली–पानी की दिक्कत से लेकर कालेज एडमिशन और गाड़ी खरीदने या किसी के सताने पर अपने भाई, पिता के पास आता है, कि वे कोई मदद करेंगे, ऐसे ही शहर के लोग उसके पास आ जाते थे, समय–असमय देखे बिना आवाज लगाते, घंटी बजाते और पम्मी सोनी तैयार उनके साथ चल पड़ते। भोग अरदास के समय गुरुद्वारे में आए एक अनजान आगंतुक से मैंने कहा, ए भाई जी, जाना तो सबको एक दिन है लेकिन जाओ तो ऐसे जाओ कि राजे–महाराजे जैसे बड़े धनीमानी भी आश्चर्यचकित रह जाएं। ऐसी मृत्यु विरले ही लोगों को मिलती है, वरना बड़े–बड़े अमीरों को उनकी मृत्यु के बाद घरवाले भी याद नहीं करते। ऐसे वातावरण में जब कोई बड़ा नेता 20 रुपए देता है और 20000 उसके प्रचार पर खर्च कर देता है, रहीम खान याद आते हैं। अकबर को प्रशिक्षित कर बड़ा करने वाले बैरम खान के बेटे थे। ब्रज भाषा के बड़े कवि और बहुत प्रसिद्ध दानदाता। लेकिन वह जिसको दान देते थे, उसका चेहरा नहीं देखते थे। उनसे लोगों ने पूछा–ऐसा क्यों? इस पर एक दोहा भी है, जो कुछ लोग बाबा तुलसी का लिखा बताते हैं–'ऐसी देनी देन ज्यूं, कित सीखे हो सैन, ज्यों–ज्यों कर ऊंच्यो करो, त्यों–त्यों निचे नैन।' यानी आपने ऐसा व्यवहार कहां से सीखा है कि जैसे–जैसे अपना देने वाला हाथ ऊंचा करते हैं, वैसे–वैसे आपके नयन नीचे देखने लगते हैं। लेने वाले से नजरें हटा कर। इस पर रहीम खान ने जवाब दिया 'देनहार कोई और है, देवत है दिन रैन, लोग भरम हम पर करें, तासो नीचे नैन।' अर्थात देने वाला तो कोई और है, यानी भगवान, जो दिन–रात देता है। लोगों को मुझ पर भ्रम हो जाता है, मानो मैं दे रहा हूं। इस कारण संकोच से नयन नीचे हो जाते हैं। विनम्रता ओढ़ी नहीं जा सकती, यह स्वभाव का हिस्सा होती है। नकली विनम्रता पहचानी जाती है। देश के अफसरों को, नेताओं को, उनके पूर्वजों के आशीर्वाद से बड़े पद मिलते हैं लेकिन सामान्यतरू उनके व्यवहार के कण–कण में अहंकार टपकता है, लाल बत्तियां, हूटर के शोर, घर या दफ्तर में सामान्यजन के जाने पर तिरस्कार, दफ्तरों में छोटे–छोटे काम के लिए धक्के खाना, छोटे–छोटे नेताओं, अफसरों के करोड़ों रुपए के माल, सिनेप्लैक्स और 2–2 करोड़ की गाडियां, उन सबका नकली सुख एक तरफ और रहीम खान का विनम्र स्वभाव उन सब पर भारी होता है। रहीम खान या बाबा तुलसी या दीनदयाल उपाध्याय इसलिए नहीं माने–जाने गए कि उनके पास अथाह ऐश्वर्य था, वे सिर्फ इसलिए सम्मानित हुए, अमर हो गए क्योंकि उनके व्यवहार में अहंकार नहीं था। वे सरल थे। रहीम खान उस समय के अत्यंत धनाढ्य थे, फिर भी निरहंकारी थे।पैसे का, पद का अहंकार होता है, लेकिन उसका अपना मूल्य चुकाना पड़ता है। जो लोग भीड़ भरी सड़कों पर हूटर मारते हुए काले शीशे की गाडियों में टेढ़ी गर्दन से निकलते हैं, वे सोच नहीं पाते कि सड़क पर पैदल चल रहे नागरिक उनसे कितनी नफरत करते हैं। लेकिन जो सामान्य पद पर रहते हुए भी असामान्य विनम्रता के व्यवहार से अपनी पहचान बना लेते हैं, उनके लिए संसार पलक पांवड़े बिछाता है, उनके जाने पर अश्रु बहाता है। इसी को अमरता कहते हैं। गुरुओं की धरती पर चारों तरफ सत्ता का अहंकारी कामकाज, व्यापार देखकर पम्मी सोनी की अरदास की रस्म के सबक सबको सुनने समझने की जरूरत है।

बढ़ते सड़क हादसे, असुरक्षित सड़कें और अनसीखे सबक

सुदीप लखटकिया

भारत में सड़कों का नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है जिसने पूरे देश में सड़क परिवहन के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। देश में लगभग 1.5 लाख किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग हैं लेकिन यह आधुनिक बुनियादी ढांचा सड़क दुर्घटनाओं में पहले से कहीं अधिक लोगों की जान ले रहा है। नवीनतम आंकड़े हमें बताते हैं कि 2023 में भारत में 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.72 लाख मौतें हुईं और 4.6 लाख से अधिक लोग जख्मी हुए। हमारे पास बेहतर सड़कें, बेहतर प्रवर्तन तकनीक और सख्त दंड हैं। इनके चलते दुर्घटनाएं कम होनी चाहिए लेकिन भारत में सड़कों पर मरने वालों की संख्या सड़क कवरेज में वृद्धि के लगभग सीधे आनुपातिक है जो सड़क दुर्घटनाओं को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में प्रस्तुत करती है। इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। हम एक जटिल समस्या का सामना कर रहे हैं। हमारे पास तमाम जानकारी मौजूद है, डेटा मौजूद है लेकिन उससे कुछ सबक नहीं लिया जा रहा है। हम जानते हैं कि क्या गलत है लेकिन हमारे अनसीखे सबक का कारण मुख्य रूप से असुरक्षित सड़कें हैं। सड़क सुरक्षा तब बिगड़ती है जब वाहन उपयोगकर्ता, पैदल चलने वाले और साथ ही सिस्टम का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों का समुदाय सड़कों को सुरक्षित रखने के लिए सीखना और कार्य करना बंद कर देता है। सबूत–आधारित प्रवर्तन का धीरे–धीरे कम होना और संस्थागत सीख का अभाव, असुरक्षित कार्य–प्रणालियों के बने रहने को बढ़ावा देता है। इससे ऐसी संस्कृति पनपती है जो समय के साथ बदतर होती चली जाती है। इसमें सुरक्षा के साथ समझौता करने वाले लोग ही (यानी उपयोगकर्ता) सबसे ज्यादा भुगतते हैं और संभवतरू सड़कों पर घायल होते हैं अथवा अपनी जान खो बैठते हैं। सुरक्षा का एक पहलू सीधे तौर पर सरकार के नजरिये से जुड़ा है। जब सबूतों पर राजनीतिक दबाव हावी हो जाता है तो योजना बनाने वाले दुर्घटनाओं के आंकड़ों को नजरअंदाज कर देते हैं। वे नियमों के उल्लंघन को सामान्य मानने लगते हैं। समुदाय इन उल्लंघनों को स्वीकार कर लेता है और इसके बाद सड़कों पर बड़ी दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह विडंबना ही है कि भारत में सरकारों के पास इसड़क दुर्घटनाओंश का भारी–भरकम डेटा तो मौजूद है, फिर भी अधिकारी इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को अलग–अलग हिस्सों में बांटकर देखते हैं। इसलिए ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए पहला कदम कड़ी सजा लागू करना होना चाहिए। सड़क यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों, नियम भंग करने वालों को आर्थिक रूप से हतोत्साहित करने और भविष्य की प्रशासनिक व कानूनी कार्रवाई के लिए ट्रैफिक चालान रिकॉर्ड रखने का एक जरिया है। भारत में कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को सटीक रूप से श्पहचाननेश की अपनी क्षमता में काफी सुधार करने के साथ ही तुरंत चालान जारी करने की क्षमता भी बढ़ाई है। इसके बावजूद चालान की रकम या जुर्माने की वसूली की गति, उल्लंघन को पहचानने की गति के साथ ताल–मेल नहीं बिठा पाई है। यही एक वजह है कि सड़कों पर अनुशासन और सड़क सुरक्षा को नुकसान पहुंचा है। कुछ शहरों में तो जुर्माने की वसूली का आंकड़ा सिर्फ 5 प्रतिशत तक ही बताया जाता है। चालान का भुगतान न करने या देर से करने के मामले में शबिल्कुल भी बर्दाश्त न करनेश (जीरो टालरेंस) की नीति अपनाई जानी चाहिए। वसूल नहीं किए गए श्जुर्मानेश ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को बढ़ावा देते हैं। कानून बनाने का उद्देश्य और उसकी गरिमा इसी बात में है कि उसे पूरी तरह से और सही भावना के साथ लागू किया जाए। नियमों को लागू करने का श्आखिरी कदमश है तुरंत चालान काटना, जो जोखिम उठाने या खतरा पैदा करने वालों के लिए एक बड़ी रुकावट साबित होगा। इससे सड़कों पर चलने वाले सभी लोगों की सुरक्षा के लिए सड़क पर सही व्यवहार करने को बढ़ावा मिलेगा। नियम तोड़ने वालों के बीच समानता का भी एक सिद्धांत है– वे लोग जो तुरंत जुर्माना भर देते हैं और वे लोग जो नहीं भरते। आदर्श रूप यही होगा कि नियम तोड़ने वाले हर व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाए। ट्रैफिक पुलिस के डेटा के अनुसार 2025 में दिल्ली में निजी ड्राइवरों के खिलाफ लगभग 2.5 करोड़ और कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ लगभग 20 लाख चालान लम्बित हैं। ये आंकड़े इस आम धारणा के विपरीत हैं कि कमर्शियल ड्राइवर बिना किसी डर के नियमों का उल्लंघन करते हैं। लगभग 3 करोड़ पेंडिंग मामलों में से तकरीबन एक तिहाई मामले तेज रफ्तार से वाहन चलाने के हैं और करीब 48 लाख मामले बिना अनुमति के पार्किंग के हैं। ये दोनों ही सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों की दो मुख्य वजहें हैं। हाल ही में पुणे में एक हाई–प्रोफाइल सड़क दुर्घटना राष्ट्रीय सुर्खियों में आई तो अधिकारियों को यह पता चला कि दोषी के खिलाफ कई ट्रैफिक चालान पेंडिंग थे। यदि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का जुर्माना अपराधी से समय पर ही भरवा लिया गया होता तो शायद कई जानें बचाई जा सकती थीं और यहां तक कि अपराधी और उसके परिवार को भी मानसिक आघात से बचाया जा सकता था। यह उस समस्या का समाधान करता है जिसे पुलिसिंग की भाषा में श्ब्रोकन विंडो सिंड्रोमश कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार, जब छोटी–मोटी अव्यवस्थाओं को ठीक नहीं किया जाता तो समय के साथ वह इलाका बड़े अपराधों का अड्डा बन जाता है। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना वसूलना स्पष्ट रूप से एक आसान काम है लेकिन यह राजनीतिक दबाव का शिकार हो रहा है।

दोहे

मॉ दुर्गा

पूजन वंदन भाव से, भीतर दिव्य प्रभाव।
नैना मोहित कर रहे, महिमा मातु लगाव।।

ज्ञानी की संगत करें, चंदन सुगंध कूप।
पावन सेवा भाव से,
अंतस दिव्य स्वरूप।।

द्वारे खड़े कृपा करो, अर्पित मन के भाव।
मॉ दुर्गा करुणा करो , दो अब सुंदर छॉव ।।

माता सेवा वंदना , अर्पित सुंदर फूल।
तुम विचलित होना नहीं, कितने भी हो शूल।।

मॉ की हो आराधना, अंबे से अनुराग।
अर्पित पूजा साधना, मॉ ही जीवन राग।।

श्रृद्धा अर्पण भाव से, होगी नौका पार।
धूप दीप से आरती, करता है संसार।।

नौ दुर्गा नौ रात्रि में, अर्पित धूप कपूर।
माता सेवा वंदना ,मांग भरें सिंदूर।।

उमा मिश्रा प्रीति

असम और पुडुचेरी में तेजी से बदल रहे हैं राजनीतिक समीकरण

डॉ. ज्ञान पाठक

चुनाव वाले चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में से असम और पुडुचेरी में ही एनडीए की सरकार है। यहां भाजपा एनडीए को और मजबूत बनाने के लिए बहुत सक्रिय है। वह दूसरी राजनीतिक पार्टियों या उनके नेताओं को गठबंधन में या सीधे भाजपा में शामिल कराने की कोशिश कर रही है। विपक्ष के कई नेताओं ने एनडीए और भाजपा का दामन थामा है, जिससे ये पार्टियां और मजबूत हुई हैं। लेकिन, कुछ अहम नेता और पार्टी के एनडीए छोड़ने से भाजपा नेतृत्व के लिए असम और पुडुचेरी–जहां 9 अप्रैल को चुनाव होने हैं – दोनों जगहों पर नई मुश्किलें भी खड़ी हो गई हैं। एक अहम घटनाक्रम में, यूपीपीएल ने 17 मार्च को सीटों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के चलते एनडीए छोड़ दिया। पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और वह बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) और उसके बाहर भी अपने उम्मीदवार उतारेगी। इस पार्टी के अलग होने का महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि बोडोलैंड को किंगमेकर (सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाला) इलाका माना जाता है, जहां विधान सभा की 15 सीटें हैं। इस इलाके में चलने वाली राजनीतिक हवा का असर पूरे असम के चुनावी माहौल पर भी पड़ता है। यूपीपीएल 2020 से ही एनडीए में भाजपा की एक अहम सहयोगी पार्टी रही है। 2021 के चुनावों में इसने 6 सीटें जीती थीं, जिससे 126 सीटों वाली विधानसभा में एनडीए की कुल सीटों की संख्या 75 हो गई थी। भाजपा ने बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) को एनडीए में शामिल करके इस नुकसान की भरपाई करने की कोशिश की है। यहां यह बताना जरूरी है कि बीपीएफ पहले श्महाजोतश का हिस्सा थी, जो राष्ट्रीय स्तर पर श्इंडियाश ब्लॉक का ही एक रूप है। 2021 के चुनावों में इस पार्टी को 8 सीटों का नुकसान हुआ था और वह सिर्फ 4 सीटें ही जीत पाई थी। माना जा रहा है कि अपना जनाधार कमजोर पड़ने के कारण बीपीएफ ने खुद को फिर से खड़ा करने के लिए एनडीए का हाथ थामा है, यह अलग बात है कि बीटीआर चुनावों में उसने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी यह कहना मुश्किल है कि इस कदम से इंडिया ब्लॉक को कितना नुकसान पहुंचेगा या भाजपा को इससे कितना फायदा होगा। अब एनडीए में तीन राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं – भाजपा, एजीपी, और बीपीएफ। नवंबर 2025 में, असम सोनमिलित मोर्चा (एएसएम) को फिर से सक्रिय किया गया। इस मोर्चे को बनाने के लिए 8 राजनीतिक पार्टियों ने हाथ मिलाया था, ताकि वे भाजपा और एनडीए के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ सकें। हाल ही में, इसी महीने में, रायजोर दल नाम की एक और पार्टी एएसएम से अलग हो गई, यानी इंडिया ब्लॉक से बाहर हो गई। इस तरह, एएसएम में अब छह राजनीतिक पार्टियां हैं –कांग्रेस, असम जातीय परिषद (एजेपी), सीपीआई(एम), ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस, सीपीआई (एमएल) एल और जेएमएम। चुनाव मैदान में अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां भी हैं– एआईयूडीएफ, टीएमसी, सीपीआई, आप और एनपीपी। यह ध्यान देने वाली बात है कि आप ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की है, और दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा आप के नेताओं को बरी किए जाने के बाद, असम में पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ गया है। आप ने अब तक 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। एआईयूडीएफ का भी कुछ खास इलाकों में काफी मजबूत जनाधार है, और उसने अब तक 21 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। भाजपा के लिए सबसे बड़ा फायदा दूसरी राजनीतिक पार्टियों से नेताओं का पाला बदलना रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है, और भाजपा ने उन्हें टिकट भी दिया है। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए, जिसे कई लोग राज्य की राजनीति में एक बड़ा बदलाव मान रहे हैं। इसी महीने की शुरुआत में, कांग्रेस के तीन मौजूदा या निलंबित विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया। यह कांग्रेस की अंदरूनी कमजोरी की ओर इशारा करता है। दूसरी पार्टियों से भी नेताओं के पाला बदलने के संकेत मिल रहे हैं, जैसे कि एआईयूडीएफ से कुछ लोगों का भाजपा के पक्ष में आना। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान, एआईयूडीएफ के तीन विधायकों ने यूपीपीएल के उम्मीदवार का समर्थन किया था, जो अब एनडीए से अलग हो चुकी है। एआईयूडीएफ ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करने वाले अपने दो विधायकों को निलंबित कर दिया है। कुछ मौजूदा या पूर्व भाजपा नेताओं ने भी अपनी निष्ठा बदलकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की बात करें तो, मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी की पार्टी श्ऑल इंडिया एनआर कांग्रेसश एनडीए से अलग होने के संकेत दे रही है। 2021 के चुनावों में एनआर कांग्रेस ने 30 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा को 6 सीटें मिली थीं। भाजपा ने अब जोस चार्ल्स मार्टिन के नेतृत्व वाली नई पार्टी श्लाचियाजननायगाकाचीश (एलजेके)को एनडीए में शामिल करने का फै सला किया है, जिसका मुख्यमंत्री रंगास्वामी विरोध कर रहे हैं। अगर भाजपा, एनडीए से एलजेके को बाहर नहीं करती है, तो इस बात की पूरी संभावना है कि एनआर कांग्रेस एनडीए छोड़ देगी। यह ध्यान देने वाली बात है कि जोस चार्ल्स मार्टिन, लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के सबसे बड़े बेटे हैं। अभी 17 मार्च को ही, मुख्यमंत्री रंगास्वामी ने भाजपा द्वारा सीट बंटवारे पर बुलाई गई एनडीए की एक बैठक का बहिष्कार किया था। उन्होंने भाजपा के साथ सीट बंटवारे के समझौते का इंतजार किए बिना ही अपनी पार्टी के उम्मीदवार की घोषणा भी कर दी थी। परंपरागत रूप से, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव एक ही दिन होते हैं, लेकिन इस साल ये अलग–अलग तारीखों पर हो रहे हैं, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि भाजपा का कोई छिपा हुआ एजेंडा है जिसे भारत का चुनाव आयोग पूरा कर रहा है। पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. नारायण सामी ने कहा, श्हमें तमिलनाडु और पुडुचेरी में अलग–अलग दिनों पर चुनाव कराने के पीछे किसी छिपे हुए एजेंडे का शक है। डीएमके और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत में गतिरोध जारी है। दोनों पार्टियों के बीच बड़े मतभेद हैं – डीएमके 18 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और कांग्रेस 20 सीटों पर। यह ध्यान देने वाली बात है कि कांग्रेस ने 2021 के चुनाव में सिर्फ 2 सीटें जीती थीं, जबकि डीएमके ने केवल 6 सीटें जीती थीं। पुडुचेरी में एनडीए में अभी पांच राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं– एआईएनआरसी, भाजपा, एआईएडीएमके, पीएमके और एलजेके। सिक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) में शामिल पार्टियां हैं– डीएमके, कांग्रेस, सीपीआई(एम), सीपीआई और वीसीके। चुनावी मैदान में मौजूद अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं–एनएमके और टीवीके।

तुमने मेरा दिल टूटता देखा..दोस्त मार्से पेड्रोजो के निधन के गम से उबर नहीं पा रहीं नोरा फतेही, फिर लिखा इमोशनल पोस्ट

> तुम मेरे भाई बन गए। हम साथ हंसे, रोए, तुमने मुझ पर हमेशा भरोसा दिखाया।'नोरा ने आगे लिखा- 'हर कदम पर तुमने मेरा साथ दिया, सपोर्ट किया। तुमने मेरा संघर्ष देखा, मेरा दिल टूटता देखा। तुमने कई बार पैसों से मेरी मदद की।

मशहूर सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट मार्से पेड्रोजो कुछ दिन पहले इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। उनके निधन से एक्ट्रेस व डांसर नोरा फतेही को बड़ा झटका लगा था और उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपना दर्द बयां किया था। वहीं, कुछ दिन बीत जाने के बावजूद भी नोरा मार्से को खोने के गम से बाहर नहीं आ पा रही हैं। एक बार फिर उन्होंने मार्से पेड्रोजो को याद किया है और बताया कि उनकी जिंदगी में मार्से की क्या अहमियत है। नोरा फतेही ने एक इमोशनल पोस्ट करते हुए लिखा–'हम साल 2015 में मिले थे, इतने साल मेरी जिंदगी का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया। तुम मेरे भाई बन गए। हम साथ हंसे, रोए, तुमने मुझ पर हमेशा भरोसा दिखाया।'नोरा ने आगे लिखा– 'हर कदम पर तुमने मेरा साथ दिया, सपोर्ट किया। तुमने मेरा संघर्ष देखा, मेरा दिल टूटता देखा। तुमने कई बार पैसों से मेरी मदद की। तुम हमेशा मेरे चेहरे पर मुस्कान लेकर आए। अगर मैंने तुम्हारा दिल दुखाया हो तो माफ करना। लव यू मार्से। मेरी जिंदगी में आने के लिए शुक्रिया। तुम्हारी आत्मा को शांति मिले। बता दें, नोरा फतेही हालिया दिनों में केडी द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर खूब विवादों में रहीं। इस गाने को लेकर एक्ट्रेस को फतवा भी जारी हुआ था। हालांकि, विवाद बढ़ता हुआ देख नोरा ने अपनी सफाई भी पेश की थी और सारा विवाद मेकर्स के सिर पर मढ़ा था। उनका कहना था कि जब गाना हिंदी वर्जन में आया तो उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने इसे गाने को साउथ भाषा में ही शूट किया था।

`सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा, इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी–शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। इस फिल्म में एक नया शादी–शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा छोटी फैन को घर बुलाकर खिलाए लड्डू, वादा पूरा कर जीता दिल

साउथ कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडाने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे अपने फैंस से बेहद प्यार करते हैं और उन्हें कभी निराश नहीं देखना चाहते। हाल ही में रश्मिका और विजय ने अपनी एक नन्हीं फैन के लिए जो किया, उसने सबका दिल जीत लिया। दरअसल, एक नन्ही बच्ची इस कपल की शादी में शामिल होना चाहती थी। जब उसे निमंत्रण नहीं मिला, तो उसने मासूमियत से एक वीडियो बनाकर अपनी शिकायत जाहिर की। इस वीडियो में बच्ची ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सभी को शादी में लड्डू और खाना मिल रहा है, लेकिन उसे क्यों नहीं बुलाया गया। उसने यह भी पूछा कि क्या वह उनकी फैन नहीं है।बच्ची की यह क्यूट शिकायत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और सीधे विजय देवरकोंडा तक पहुंची। वीडियो देखने के बाद विजय ने बच्ची को अपने घर बुलाने का वादा किया था। वहीं रश्मिका ने भी उसे एक खास गिफ्ट देने की बात कही थी। अब इस कपल ने अपना वादा पूरा कर दिखाया है। हैदराबाद में दोनों ने बच्ची को उसके परिवार के साथ अपने घर बुलाया। वहां का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें इस मुलाकात की झलक साफ देखी जा सकती है। वीडियो में नजर आता है कि विजय बच्ची को गोद में उठाकर घर के अंदर ले जाते हैं। इस दौरान बच्ची उनसे सवाल करती है कि उसे शादी में क्यों नहीं बुलाया गया। वहीं रश्मिका उसे बड़े प्यार से लड्डू खिलाती हैं और उसके गाल पर किस करती हैं। विजय भी उसे अपने हाथों से खाना खिलाते दिखते हैं। बच्ची की मासूमियत उस वक्त और झलकती है, जब वह कहती है, "हम भी दोस्त हैं ना?" इस पर दोनों मुस्कुराते हैं और उसे ढेर सारा प्यार देते हैं। बच्ची ने इस मुलाकात के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह अब बहुत खुश है। उसके परिवार ने भी बताया कि उन्हें वहां इतना अपनापन मिला कि जैसे वे अपने ही घर में हों। बता दें, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने 26 फरवरी को शादी रचाई थी और उसके बाद 4 मार्च को ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन दिया था। कपल की शादी और वेडिंग पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

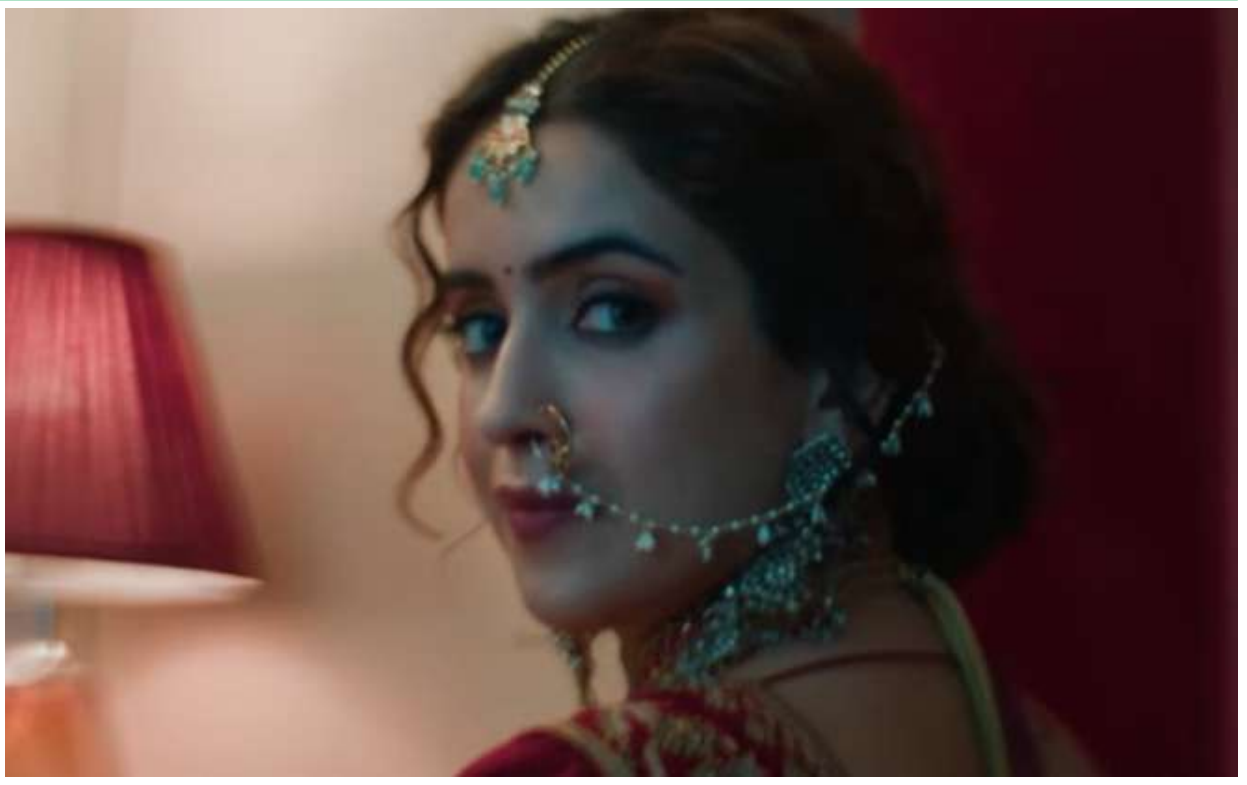

26 दिनों बाद हुई निधन की पुष्टि, मास्टर्स ऑफ हॉरर से मिली थी पहचान

लोकप्रिय हॉरर टेलीविजन सीरीज में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर कनाडाई अभिनेत्री कैरी ऐन फ्लेमिंग का 51 साल की उम्र में निधन हो गया है। फ्लेमिंग का 26 फरवरी को सिडनी, ब्रिटिश कोलंबिया में ब्रेस्ट कैंसर के चलते निधन हो गया। हालांकि, अब लगभग एक महीने बाद उनके निधन की पुष्टि हुई है। उनके निधन की जानकारी उनके सुपरनैचुरल के को–एक्टर जिम बीवर ने दी। अभिनेत्री के सुपरनैचुरल के सह–कलाकार जिम बीवर ने वैरायटी से कैरी ऐन फ्लेमिंग के निधन की पुष्टि की। 16 अगस्त 1974 को डिग्बी, नोवा स्कोटिया में जन्मीं कैरी ऐन फ्लेमिंग ब्रिटिश कोलंबिया में पली–बढ़ीं। यही उन्होंने एक्टिंग के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाया। उन्होंने विक्टोरिया के माउंट डगलस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की और बाद में कैलेडोस्कोप थिएटर और किडको थिएटर डांस कंपनी में थिएटर की पढ़ाई की। कैरी एन फ्लेमिंग ने टेलीविजन सीरीज 'वाइपर' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वो एडम सैंडलर की फिल्म हैप्पी गिलमोर में भी दिखाई दीं। इस दौरान उन्होंने फिल्मों और टेलीविजन में छोटी लेकिन यादगार भूमिकाएं निभाईं। साल 2005 में आई निर्देशक डारियो अर्जेंटो की एंथोलॉजी सीरीज मास्टर्स ऑफ हॉरर से फ्लेमिंग को सफलता मिली। सीरीज के जेनिफर नाम के एपिसोड में फ्लेमिंग ने एक नरभक्षी विकृत महिला का किरदार निभाया। इस किरदार ने उन्हें विश्वस्तरीय पहचान दिलाई। फ्लेमिंग ने कई हॉरर सीरीज में काम किया। इनमें सुपरनैचुरल भी शामिल है, जहां उन्होंने बॉबी सिंगर की पत्नी करेन सिंगर की भूमिका निभाई। वो टेलीविजन फिल्म द अनऑथराइज्ड फुल हाउस स्टोरी में भी नजर आईं। इसमें उन्होंने अभिनेत्री कैंडिस कैमरून ब्यूर की मां का किरदार निभाया, जो सिटकॉम फुल हाउस में डीजे टैनर की भूमिका के लिए जानी जाती हैं। हाल के साल में उन्होंने सीडब्ल्यू सीरीज आईजॉम्बी में कैंडी बेकर की भूमिका के लिए फिर से प्रशंसा बटोरी। इसके अलावा वह थिएटर में भी लगातार सक्रिय रहीं। ब्रिटिश कोलंबिया के प्ले जैसे नॉइजेस ऑफ, रोमियो एंड जूलियट, स्टील मैग्नोलियाज और फेम में उन्होंने हिस्सा लिया। वैरायटी के अनुसार, अभिनेत्री के शोक सभा की घोषणा बाद में की जाएगी।

फैशन शो में अनीत पड्डा ने लगाए चार चांद, आउट ऑफ ऑफिस कलेक्शन ने जीता फैंस का दिल

इन दिनों मुंबई में चल रहे फैशन वीक में बॉलीवुड की कई हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इसी बीच सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा भी इस फैशन शो में शामिल हुईं और रैंप पर नजर आईं। मंबई में चल रहे फैशन वीक में सितारे रैंप पर जलवा बिखेर रहे हैं। रविवार को जहां अदिति राव हैदरी ने रैंप वॉक करके फैंस का दिल जीता, वहीं सैयारा फेम अनीत पड्डा भी रैंप पर बेहद खूबसूरत लगीं। अनीत, डिजाइनर अनीत अरोड़ा के लिए शो स्टॉपर रहीं। जियो कंवेंशनल सेंटर में चल रहे इस फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में आउट ऑफ ऑफिस स्टाइल फैशन शोकेस किया गया। इस मौके पर अनीत की मशहूर ड्रेस डिजाइनर अनीत अरोड़ा के डिजाइन किए हुए फॉल विंटर कलेक्शन को शोकेस किया। सफेद और ब्लू पैलेट इस ड्रेस में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही थीं। आउट ऑफ ऑफिस कलेक्शन का यह आउटफिट भी काफी आरामदायक और ट्रेंडी नजर आ रहा था। इसका हैंडक्राफ्ट टैक्चर इसे एक अलग ही लुक दे रहा था। वहीं सबकी निगाहें अनीत के क्लासिक शूज पर भी ठहरीं।

पेट स्वस्थ रखेंगे फाइबर से भरपूर ये फूड्स, वजन भी रहेगा बिल्कुल कंट्रोल

स्वस्थ शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट का सेवन करना जरुरी है। इन सबके अलावा फाइबर भी शरीर के लिए बेहद जरुरी माना जाता है। फाइबर पेट को स्वस्थ रखने में और इससे संबंधी समस्याएं दूर रखने में मदद करता है। फाइबर वजन भी कंट्रोल में रखता है। इसे डाइट में शामिल करने के लिए आप साबुत अनाज, बीन्स, ड्राई फ्रूट्स और कई फल और सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। फाइबर प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद होता है। यह दो तरह का होता है सॉल्युबल फाइबर और इनसॉल्युबर फाइबर। इसके अलावा कुछ ऐसे फूड्स भी हैं जिनका सेवन करके आप फाइबर ले सकते हैं। आइए जानते हैं।

एवोकाडो

यह पोषक तत्वों से भरपूर फल है। इसमें हैल्दी फैट्स, विटामिन्स, मिनरल्स पाए जाते हैं। इसके अलावा एवोकाडो में विटामिन–सी, ई, के, बी6, राइबोफ्लेविन, नियासिन, फोलेट, पैंटाथनिक एसिड, मैग्नीशियम और पौटेशियम भी पाया जाता है। इसमें पाया जाने वाला एवोकाडो भूख कंट्रोल करने में मदद करता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह पेट के गुड बैक्टीरिया को पोषण देने और पाचन को भी सही बनाने में मदद करता है।

ड्राई फ्रूट्स

नट्स का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। नट्स के तौर पर आप बादाम, पिस्ता और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनका सेवन करने से फाइबर की कमी भी दूर होगी और पाचन को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

बेरीज

सभी तरह की बेरीज जैसे ब्लूबेरी, जामुन, रास्पबेरी, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी भी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। इसका सेवन करने से पाचन में मदद मिलती है और कब्ज जैसी बीमारियां भी दूर रहती हैं। रोजाना मुट्ठी भर बेरीज का सेवन आप कर सकते हैं। सलाद, स्मूदी, ओट्स या फिर किसी डिश के तौर पर आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज का सेवन भी शरीर के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। गेंहू, राई, जई, जौ, मक्का, ब्राउन राइस, ब्लैक राइस, बाजरा, क्विनोआ जैसे अनाज में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स मिनरल्स, आयरन, जिंक, कॉपर और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व पेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

क्या आपके बच्चे में भी हैं सेंसरी सीकिंग के लक्षण, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

बच्चों का चुलबुलापन और शरारतें भला किसे पसंद नहीं होती हैं। वहीं उम्र बढ़ने के साथ ही बच्चों के शरीर में कई तरह के शारीरिक और मानसिक विकास भी होते रहते हैं। जिस तरह से धीरे–धीरे बच्चा बड़ा होता जाता है, वैसे–वैसे उनकी इंद्रियों की क्षमता भी विकसित होने लगती है। बच्चे जब बचपन में इंद्रियों में संवेदी अनुभव की तलाश करना शुरू करते हैं। तो बच्चे हर चीज की तरफ आकर्षित होने लगते हैं। हांलाकि सभी बच्चों में एक जैसी गतिविधियां नहीं पाई जाती हैं। इस तरह की स्थिति को सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में होने वाले सेंसरी सीकिंग के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

क्या है Sensory Seeking

आपको बता दें कि बढ़ती उम्र के साथ ही बच्चे स्वाद, ध्वनि, गंध, दृष्टि और स्पर्थ जैसी चीजों के प्रति आकर्षित होते हैं। वह धीरे–धीरे इन चीजों को जानते और समझते हैं। हांलाकि सभी बच्चों में यह स्थिति समान नहीं होती है। जहां कुछ बच्चे खेलकूद के प्रति आकर्षित होते हैं, तो वहीं कुछ बच्चों का किसी खास तरह के म्यूजिक और कुछ का खाने–पीने की चीजों की तरफ आकर्षण होता है। इस स्थिति को ही सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि कुछ बच्चों में सेंसरी सीकिंग से जुड़ी कुछ परेशानियां भी होती हैं।

सेंसरी सीकिंग से जुड़े लक्षण

गले लगने में हिचकिचाना
किसी की गोद में न जाना
वस्तुओं को छूना या सहलाना
स्थिर बैठने में परेशानी होना
हाइपर एक्टिव होना
ऊँचे स्थानों से कूदना
बार–बार चीजों को मुंह में डालना

बच्चों में इस तरह के लक्षण दिखने पर उनका विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे उनके कई तरह की परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि सेंसरी सीकिंग से जुड़ी स्थितियां बच्चों को इंद्रियों को ट्रिगर कर सकती हैं। सेंसरी सीकिंग के कारण बच्चों में स्पर्श, लाइट, साउंड और गंध आदि से जुड़ी परेशानियों का खतरा होता है। इसके अलावा बच्चों को किसी बात के लिए रोकटोक न करना भी उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। वहीं हर बात के लिए बच्चों को न कहना भी कम खतरनाक नहीं होता है। लेकिन बच्चे की हर बात को मानना उन पर नकारात्मक असर डाल सकता है। इसलिए माता–पिता को बच्चों को हां या नहीं बोलने की लिमिट सेट करनी चाहिए। वहीं असामान्य लक्षण दिखने पर डॉक्टर से जरूर संपर्क करना चाहिए।

बच्चे को मोटापे से बचाने के लिए दूर करें जंक फूड और फोन, नहीं तो बढ़ जाएगी ये बीमारियां

भारत में बच्चों में मोटापा एक तेजी से बढ़ती समस्या बन चुका है। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है जहां सबसे ज्यादा बच्चे ओवरवेट या मोटापे से जूझ रहे हैं। वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2026 के अनुसार, 2025 में भारत में 5 से 9 वर्ष की आयु के लगभग 1.5 करोड़ बच्चे और 10 से 19 वर्ष की आयु के 2.6 करोड़ से अधिक बच्चे अधिक वजन वाले या मोटापे से ग्रस्त थे। यह केवल दिखावे की समस्या नहीं, बल्कि आगे चलकर कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। अगर बच्चे का वजन उसकी उम्र और लंबाई के मुकाबले ज्यादा है, तो यह मोटापे का पहला संकेत हो सकता है। डॉक्टर आमतौर पर बीएमआई या ग्रोथ चार्ट से जांच करते हैं। सिर्फ मोटा दिखना ही नहीं, उम्र के हिसाब से वजन ज्यादा होना असली संकेत है। अगर बच्चे के कपड़े बहुत जल्दी छोटे या टाइट होने लगें, तो यह भी वजन बढ़ने का संकेत है। थोड़ा खेलने या चलने पर ही बच्चा थक जाए,सांस फूलने लगे यह फिटनेस कम होने और वजन बढ़ने का इशारा है।

बच्चा अक्सर सुस्त रहता है, एनर्जी कम लगती है। शरीर पर अतिरिक्त चर्बी दिखे या पेट बाहर निकले या फिर गर्दन, कमर या जांघों पर ज्यादा फैट जमा हो तो यह मोटापे की निशानी है। अगर बच्चा दूसरों के सामने झिझकता है तो अपने शरीर को लेकर शर्म महसूस करता है यह मानसिक संकेत भी मोटापे से जुड़े हो सकते हैं। अगर बच्चे का वजन तेजी से बढ़ रहा हो सांस लेने में परेशानी हो या परिवार में मोटापाध्डायबिटीज का इतिहास हो तो डॉक्टर को तुरंत दिखाएं। मोटापा एक दिन में नहीं आता, लेकिन समय पर पहचानकर इसे रोका जरूर जा सकता है।

मोटापा घटाने के लिए माता–पिता क्या करें

संतुलित और पौष्टिक आहार दें: बच्चों को जंक फूड, पैकेज्ड स्नैक्स और मीठे पेय से दूर रखें। घर का बना खाना जैसे दाल, सब्जी, रोटी, फल जरूर खिलाएं। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर डाइट दें। जैसा खाना, वैसा बचपन सही खानपान ही असली नींव है।

स्क्रीन टाइम कम करें: टीवी, मोबाइल और वीडियो गेम का समय सीमित करें (1,2 घंटे से ज्यादा नहीं)। ज्यादा स्क्रीन टाइम बच्चों को आलसी बना देता है

रोजाना फिजिकल एक्टिविटी जरूरी: बच्चों को रोज कम से कम 1 घंटा खेल–कूद के लिए प्रेरित करें। आउटडोर गेम्स जैसे साइकिल चलाना, क्रिकेट, दौड़ना बेहद फायदेमंद हैंखेल–कूद वाला बच्चा ही सबसे ज्यादा हेल्दी होता है।

पूरी नींद दिलाएं: बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से 8दृ 10 घंटे की नींद जरूरी है। कम नींद से वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है

खाने की सही आदतें सिखाएं: टीवी देखते हुए खाना खाने से बचाएं। धीरे–धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाने की आदत डालें। ओवरईटिंग से बचाएं

खुद उदाहरण बनें: बच्चे वही सीखते हैं जो माता–पिता करते हैं। अगर आप हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएंगे, तो बच्चा भी अपनाएगा। बच्चों को सिखाने का सबसे अच्छा तरीका है खुद करके दिखाना। बचपन में ही सही आदतें डाल दी जाएं, तो मोटापा आसानी से रोका जा सकता है। छोटे–छोटे बदलाव जैसे सही खाना, एक्टिव रहना और स्क्रीन टाइम कम करना, बच्चों का भविष्य स्वस्थ बना सकते हैं। आज की सही परवरिश ही कल की अच्छी सेहत की गारंटी है।

जलन से लेकर मधुमेह जैसी बीमारियों के लिए वरदान है धनिया

धनिये का इस्तेमाल सब्जी का स्वाद बढाने के लिए और गार्निशिंग के लिए किया जाता है। इसके अलावा ये हमारी सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है। इसमें बहुत से पोष्टिक तत्व पाए जाते हैं जैसे कि खनिज और विटामिन जो हमारी कई तरह की परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। जड़ी बूटी बनाने में भी इसका परयोग किया जाता है। हम आज आपको इससे मिलने वाले फायदों के बारे में बताताने जा रहें हैं जिसे जान आप भी हैरान हो जाएंगे।

पाचन तन्त्र को सुधारने में

धनिया गैस से छुटकारा दिलाने और पाचन तंत्र को ठीक करने में मदद करता है। इसके लिए 2 कप पानी लेकर उसमें जीरा और धनिए के पत्ते डालें। इसके बाद चाय की पत्ती और सोंफ डालकर 2 मिनट तक उबालें।

आँखों की जलन दूर करने मे

धनिया आंखों की जलन को दूर करता है। इसके लिए एक प्रकार का चूर्ण तैयार करना पड़ेगा। चूर्ण तैयार करने के लिए सौंफ, मिश्री तथा धनिये के बीजों को बराबर मात्रा में लेकर उसे पीस लें। अब इस चूर्ण को भोजन के बाद खाएं। 6 ग्राम चूर्ण का सेवन करने से आँखों व हाथ पैरों की जलन से छुटकारा पाया जा सकता है।

नकसीर को दूर करने में

नकसीर में आराम पाने के लिए धनिये का इस्तेमाल किया जा सकता है। हरे धनिये की 20 ग्राम पत्तियां लें, अब इसमें लगभग चुटकी भर कपूर मिला लें। इसके बाद इनको पीस लें, इससे बने रस को छान कर अलग कर लें। रस की दो बूंदों को नाख के दोनों छिद्रों में दोनों तरफ टपका लें, साथ ही रस को माथे पर लगा कर हल्का मलने पर नाख से निकलने वाला खून तुरंत ही बंद हो जाता है।

मधुमेह रोगियों के लिए

धनिये का इस्तेमाल त्वचा के लिए बहुत ही असरदायक साबित होता है। धनिया का सेवन खून में इन्सुलीन की मात्र को नियंत्रण में रखता है। धनिये के इस्तेमाल से मधुमेह को भी खत्म किया जा सकता है।

नौ रातें–कई रंग: जानें भारत के अलग–अलग राज्यों में नवरात्रि कैसे मनाई जाती है

हिंदू धर्म में नवरात्रि का अत्यंत विशेष महत्व है। यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और अर्चना का प्रतीक माना जाता है। भारत त्योहारों का देश है, और नवरात्रि इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि एक ही पर्व को विभिन्न राज्यों में बिल्कुल अलग अंदाज और परंपराओं के साथ मनाया जाता है।

गुजरात गरबा और डांडिया की धूम

गुजरात में नवरात्रि का पर्व गरबा और डांडिया के लिए सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। रात होते ही पूरे राज्य की महिलाएं और पुरुष पारंपरिक चनिया–चोली और केडिया पहनकर सड़कों, मैदानों और पंडालों में जमा होते हैं। मिट्टी के घड़े (गरबो) के चारों ओर गोल घेरे में नृत्य किया जाता है, जो इस उत्सव की मुख्य आकर्षण होती है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नौ–दिनों का डांस फेस्टिवल माना जाता है और हर रात यहाँ गरबा और डांडिया की मस्ती में पूरा समाज शामिल होता है, जिससे माहौल रंगीन और भक्तिमय बन जाता है।

पश्चिम बंगाल भव्य दुर्गा पूजा

पश्चिम बंगाल में नवरात्रि को 'दुर्गा पूजा' के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान गली–गली और हर पंडाल में खूबसूरत और कलात्मक मूर्तियों तथा सजावटों का आनंद लिया जा सकता है।

महासप्तमी से लेकर दशमी तक पूरा माहौल भक्तिमय और रंगीन रहता है। यहां की खास पहचान ढाक की धुन और धुनाची नाच है, जो दुर्गा पूजा की रौनक को और भी बढ़ा देते हैं।

उत्तर भारत रामलीला और कन्या पूजन

उत्तर भारत के राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और बिहार में नवरात्रि का पर्व थोड़ा अलग अंदाज में मनाया जाता है। यहां कई लोग नौ दिनों तक व्रत रखते हैं और अपनी भक्ति प्रकट करते हैं। शाम को कॉलोनियों और मैदानों में रामलीला का आयोजन होता है, जिसमें भगवान राम के जीवन और उनके अद्भुत कार्यों की कहानी दिखाई जाती है। अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन का आयोजन किया जाता है, जहां छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर हलवा, पूरी और चने खिलाए जाते हैं, जिससे उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होने की मान्यता होती है।

तेलंगाना फूलों का त्योहार 'बथुकम्मा'

तेलंगाना में नवरात्रि के दौरान 'बथुकम्मा' का त्योहार बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से फूलों का पर्व है, जिसमें महिलाएं ताजे फूलों से सुंदर गुच्छे बनाती हैं और देवी गौरी (बथुकम्मा) की पूजा करती हैं। इस दौरान गांव और शहर दोनों जगह रंग–बिरंगी झलकियां और उत्सव का माहौल देखने को मिलता है, जो इस त्योहार की खासियत को और भी बढ़ा देता है।

नवरात्रि की खासियत

चाहे इसे नाच–गाकर मनाया जाए, पंडाल सजाकर या मौन व्रत रखकर, सबका मकसद एक ही है। नारी शक्ति का सम्मान। यही विविधता भारत को दुनिया का सबसे खूबसूरत और रंगीन देश बनाती है।

संक्षिप्त

बैंकिंग सिस्टम में डाली 79,256 करोड़ की नकदी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बैंकिंग प्रणाली में तरलता को प्रबंधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने एक रात की अवधि वाली वेरिएबल रेट रेपो (वीआआर) नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में घ्79,256 करोड़ की अतिरिक्त नकदी डाली है। यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में तरलता की कमी को दूर करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। वेरिएबल रेट रेपो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक मौद्रिक नीति उपकरण है। इसके माध्यम से आरबीआई, बैंकों को अल्पकालिक ऋण प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में, बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर त्ठप् से नकदी उधार लेते हैं। इस नीलामी की खासियत यह है कि इसमें ब्याज दर निश्चित नहीं होती, बल्कि यह बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती है, जिसे कट–ऑफ और भारित औसत दर कहा जाता है। हालिया वीआरआर नीलामी में, आरबीआई ने घ्79,256 करोड़ की राशि इंजेक्ट की। यह राशि घ्1 लाख करोड़ के अधिसूचित राशि से काफी कम थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के दिनों में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता में तेज गिरावट देखी गई है, जिसका एक मुख्य कारण अग्रिम कर का भुगतान है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 23 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग घ्65,395.64 करोड़ की तरलता की कमी का अनुमान लगाया गया था। इस कमी को पूरा करने के लिए RBI द्वारा यह तरलता इंजेक्शन एक आवश्यक कदम था। यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने तरलता प्रबंधन के लिए वीआरआर नीलामी का सहारा लिया है। इन अल्पकालिक तरलता इंजेक्शनों के अलावा, त्ठप् जनवरी 2026 से खुले बाजार परिचालन (ओपन मार्केट परचेज या ओएमपी) के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद द्वारा बैंकिंग प्रणाली में 3.50 लाख करोड़ की स्थायी तरलता भी डाल चुका है। तरलता प्रबंधन भारतीय अर्थव्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी होती है, तो बैंक आसानी से ऋण दे पाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। इसके विपरीत, तरलता की कमी से ऋण की उपलब्धता कम हो सकती है, ब्याज दरें बढ़ सकती हैं और आर्थिक विकास धीमा पड़ सकता है। आरबीआई का यह कदम अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने और वित्तीय बाजारों को सुचारू रूप से चलाने के उसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। आरबीआई की ओर से बैंकिग प्रणाली में 79,256 करोड़ की तरलता डालना, अग्रिम कर भुगतान के कारण उत्पन्न हुई नकदी की कमी को दूर करने की दिशा में एक सक्रिय कदम है। यह विभिन्न मौद्रिक नीति उपकरणों के माध्यम से अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह सुनिश्चित करता है कि बैंकों के पास ऋण देने और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए पर्याप्त नकदी बनी रहे।

गोल्डमैन सैक्स ने 10प्रतिशत बढ़ाया क्रूड की कीमतों का अनुमान, इस साल राहत नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, 2026 में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है, जो पहले 72 डॉलर था। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक डान स्ट्रुवेन ने अपनी रिपोर्ट में दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह संशोधित अनुमान इस आधार पर लगाया गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक सामान्य क्षमता के केवल 5प्रतिशत पर रह सकती है। इसके बाद अगले एक महीने में स्थिति धीरे–धीरे सामान्य होने की उम्मीद है। तेल बाजार इस समय अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष से प्रभावित है, जो अब चौथे सप्ताह में पहुंच चुका है और इसके खत्म होने के संकेत नहीं हैं। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है कि वह इस अहम समुद्री मार्ग को फिर से खोले, नहीं तो उसके ऊर्जा ढांचे पर हमले हो सकते हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि पश्चिम एशिया में कच्चे तेल के उत्पादन में नुकसान मौजूदा 1.1 करोड़ बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल प्रतिदिन तक पहुंच सकता है। यदि आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगते हैं, तो कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक के अनुसार, यह अभूतपूर्व संकट नीति निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है, खासकर पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर।

खिलाड़ियों की चोट से बढ़ी केकेआर की चिंता, बल्लेबाजी दिख रही मजबूत, गेंदबाजी कमजोर कड़ी!

नई दिल्ली,एजेंसी। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम आईपीएल 2026 में अपना दम दिखाने उतरेगी। टीम के लिए पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा था और इसके बाद उसने अपने कोचिंग स्टाफ के साथ ही टीम में कई बदलाव किए। केकेआर एक बार फिर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरेगी, लेकिन टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता उसके खिलाड़ियों की चोट है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं, जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अब तक टूर्नामेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिला है। टीम के पास फिन एलेन और टिम सीफर्ट जैसे बल्लेबाज हैं, जबकि मध्य क्रम में अंगकृष रघुवंशी, राहुल त्रिपाठी, अनुकूल रॉय और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

केकेआर इस सीजन में भारतीय तेज गेंदबाजों के कमजोर विकल्पों के साथ उतर रही है। आकाश दीप और हर्षित राणा बाहर हैं और मथीशा पथिराना के अप्रैल के मध्य से ही खेलने की उम्मीद है। भारतीय गेंदबाजों में केकेआर के पास वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कार्तिक त्यागी, वरुण, रमनदीप सिंह और प्रशांत सोलंकी हैं। विदेशी गेंदबाजों में सुनील नरेन, कैमरन ग्रीन और ब्लेसिंग मुजरबानी हैं, लेकिन सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही टीम उतार सकती है। ऐसे में केकेआर के लिए गेंदबाजी विभाग में संतुलन बैठाना चुनौती होगी।

इस टीम की सबसे बड़ी ताकत वही है जिसने केकेआर के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट को परिभाषित किया है। वे मध्य ओवरों में अधिकांश टीमों से बेहतर गेंदबाजी कर सकते हैं। वरुण चक्रवर्ती इस प्रारूप में विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 21 विकेट लिए थे और 2026 टी20 विश्व कप में उन्होंने 14 विकेट लिए थे, जो टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे अधिक थे। वहीं, सुनील नरेन अपना अनूठा दोहरा योगदान देते रहते हैं। यह संयोजन महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें बेहतर प्लेइंग इलेवन बनाने में मदद मिलती है। वहीं, एलेन, सीफर्ट और ग्रीन टीम के लिए तेजी से रन बना सकते हैं। टीम की बल्लेबाजी लाइन अप को देखें तो केकेआर मजबूत नजर आ रही है। वहीं, रिंकू सिंह तो टीम के स्टार खिलाड़ी हैं जो आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

इस टीम की सबसे बड़ी समस्या तेज गेंदबाज आक्रमण में कम विकल्प है। आकाश दीप टीम से बाहर हैं। हर्षित राणा पूरे सीजन के लिए टीम से बाहर हैं। इसका मतलब है कि केकेआर को सीजन की शुरुआत दो भरोसेमंद भारतीय तेज गेंदबाजों के बिना करनी होगी। एक बेहतरीन टी20 टीम को यह अच्छी तरह पता होता है कि किन भूमिकाओं में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। केकेआर अभी उस स्तर पर पूरी तरह नहीं पहुंची है। कप्तान रहाणे की भूमिका स्पष्ट है।

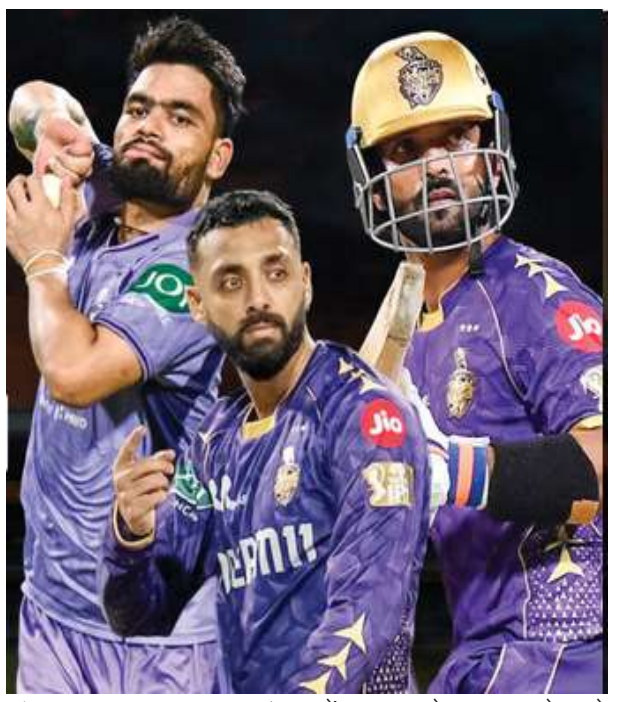

नरेन की भूमिका भी स्पष्ट है। रिंकू तो जाहिर तौर पर टीम के केंद्र में हैं, लेकिन इसके बाद कई सवाल उठते हैं। रचिन रवींद्र और ग्रीन में से टीम किसी एक खिलाड़ी को ही प्लेइंग–11 में जगह दे सकती है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि किसे मौका मिलता है। एक सवाल ये भी है कि क्या 2025 सीजन में 96.49 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 55 रन बनाने वाले राहुल त्रिपाठी पर भरोसा किया जा सकता है? इस बल्लेबाजी यूनिट में सुधार के रास्ते तो हैं, लेकिन साथ ही चयन को लेकर भी काफी उलझन है। सैद्धांतिक रूप से तो कई खिलाड़ी टीम में फिट बैठते हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पक्की नहीं लगती।

केकेआर के पास अब आंद्रे रसेल जैसा ऑलराउंडर नहीं है। ऐसे में ग्रीन पर सभी की नजरें होंगी जो बल्लेबाजी को मजबूत देने के साथ ही गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। इसके अलावा अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह पर टीम के बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी होगी। घरेलू मैदान पर केकेआर को हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता और ईडेन गार्डेंस पर टीम ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना चाहेगी।

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, कैमरन ग्रीन, फिन एलेन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रोवमैन पोवेल, अनुकूल रॉय, सार्थक रंजन, दक्ष कमरा, रचिन रवींद्र, रमनदीप सिंह, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे।

यूपी के 14.2 करोड़ के प्रशांत वीर के ये शॉट्स देखे क्या ? धोनी भी रह गए हैरान, इस तरह की तारीफ

चेन्नई,एजेंसी। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने आईपीएल 2026 के अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला गुवाहाटी में खेला जाएगा। पिछले दो सीजन में प्लेऑफ का मौका चूकने के बाद अब इस टीम की नजर छठी बार खिताब जीतने पर होगी। साल 2025 में आखिरी स्थान पर रहने के बाद सीएसके ने इस सीजन की तैयारी के लिए कुछ युवा अनकैप्ड खिलाड़ियों को अपनी टीम से जोड़ा। इनमें राजस्थान के कार्तिक शर्मा और यूपी के प्रशांत वीर को 14.2 करोड़ रुपये में शामिल करना, सबसे चौंकाने वाला रहा। इन दोनों युवा सितारों को घरेलू क्रिकेट में बेहद दमदार माना जाता है और यही वजह रही कि सीएसके ने इन पर काफी पैसे खर्च किए। अब ये दोनों सीएसके के नेट्स सेशन में बड़े–बड़े गेंदबाजों के भी छक्के छुड़ा रहे हैं। हाल ही में सीएसके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें यूपी के प्रशांत वीर नेट्स में बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो की सबसे खास बात यह है कि सीएसके के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी पीछे खड़े दिख रहे हैं और प्रशांत की बैटिंग पर पैनी नजर रखे हुए हैं। हालांकि, प्रशांत इस दौरान अपने रेंज ऑफ शॉट्स दिखाते हैं। कभी वह सामने की तरफ और कभी स्कूप करते नजर आते हैं। धोनी प्रशांत की सूझबूझ का लुत्फ उठाते दिखे और पीछे से उनकी तारीफ करते और उनका आत्मविश्वास बढ़ाते नजर आए। वीडियो की शुरुआत में वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने उत्साहित होकर कहा, शॉट! अगली गेंद पर वीर ने बेहतरीन स्कूप शॉट खेला, जिस पर धोनी ने बाउंड्री का इशारा किया। इसके बाद वीर ने जोरदार स्ट्रेट ड्राइव लगाया, और धोनी ने एक बार फिर पूरे जोश के साथ कहा, शॉट! इससे पहले, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि आईपीएल में नए खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को संभालना होती है, खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जिन्हें नीलामी में बड़ी रकम मिलती है। उन्होंने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि आप दबाव को कैसे संभालते हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है जहां आप एक दिन हीरो बन सकते हैं और अगले दिन गायब हो सकते हैं। पठान ने आगे कहा, हमने कई ऐसे खिलाड़ियों को देखा है जो नीलामी में बड़ी रकम पाते हैं, लेकिन अगले सीजन में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते और फिर टीम में जगह भी नहीं मिलती।

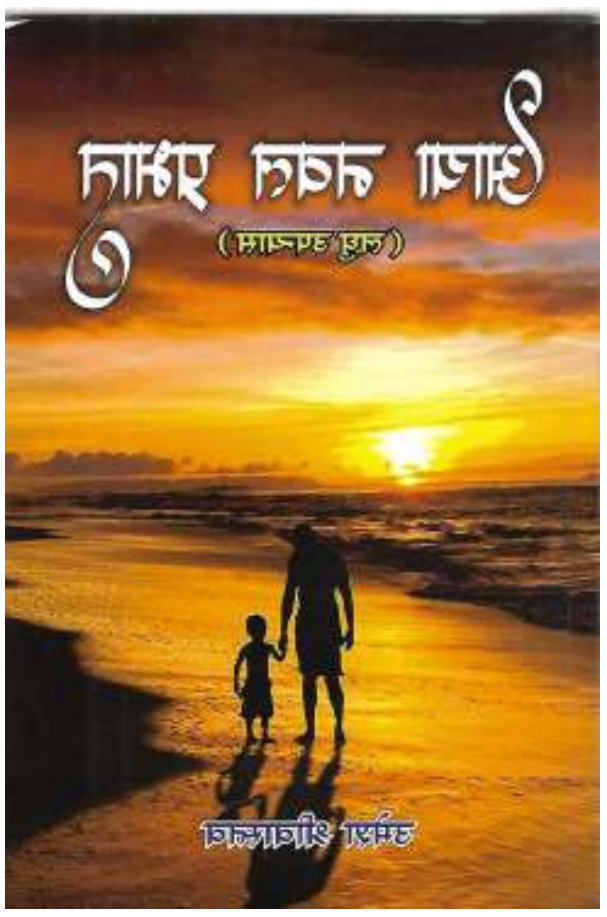

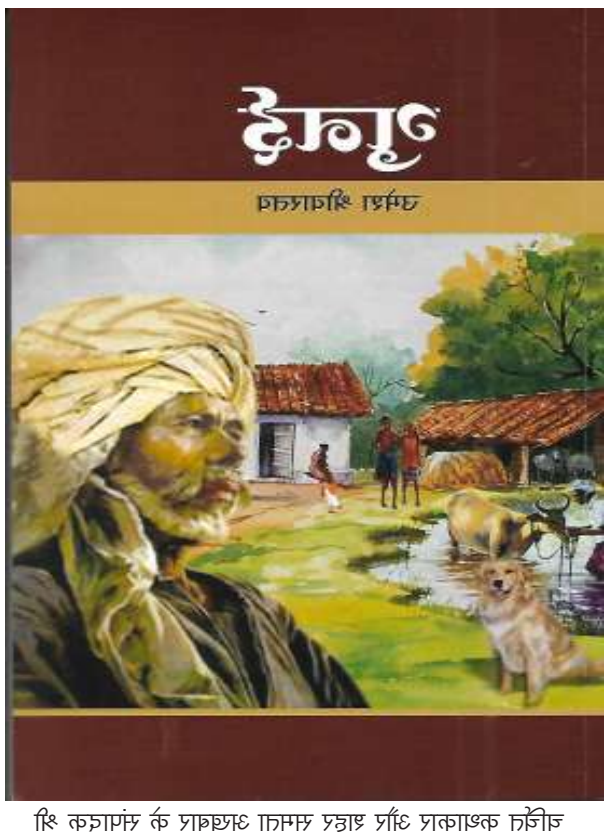

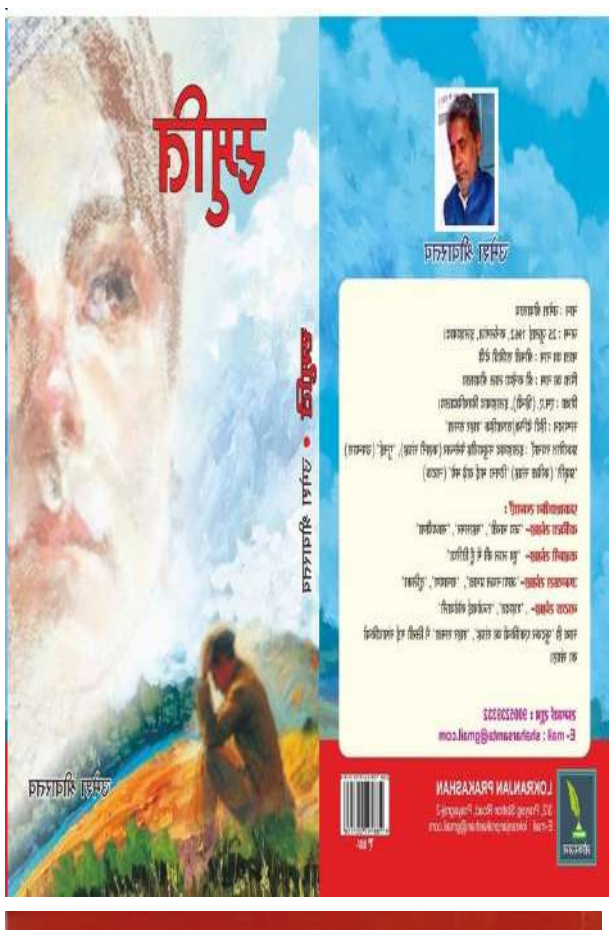

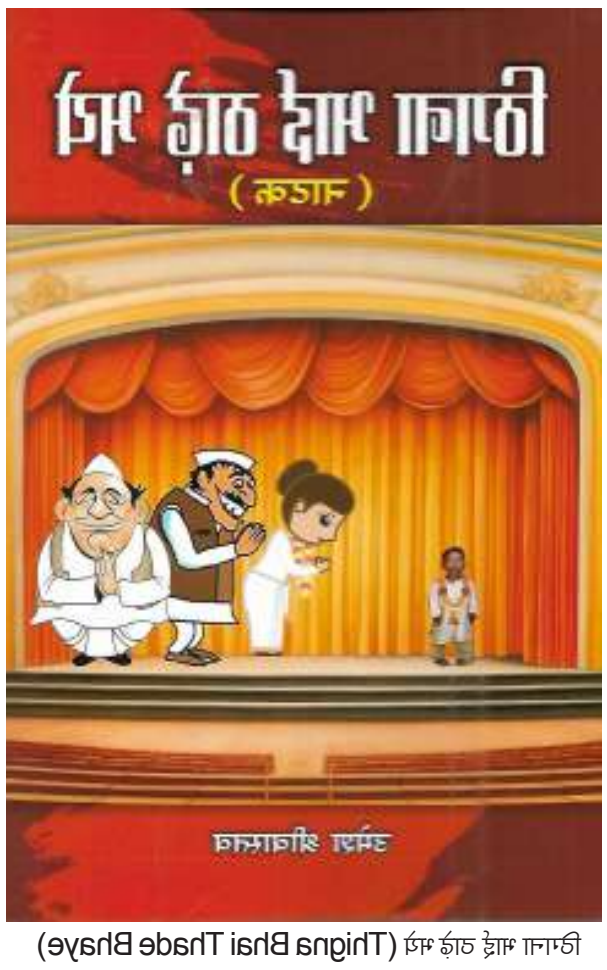

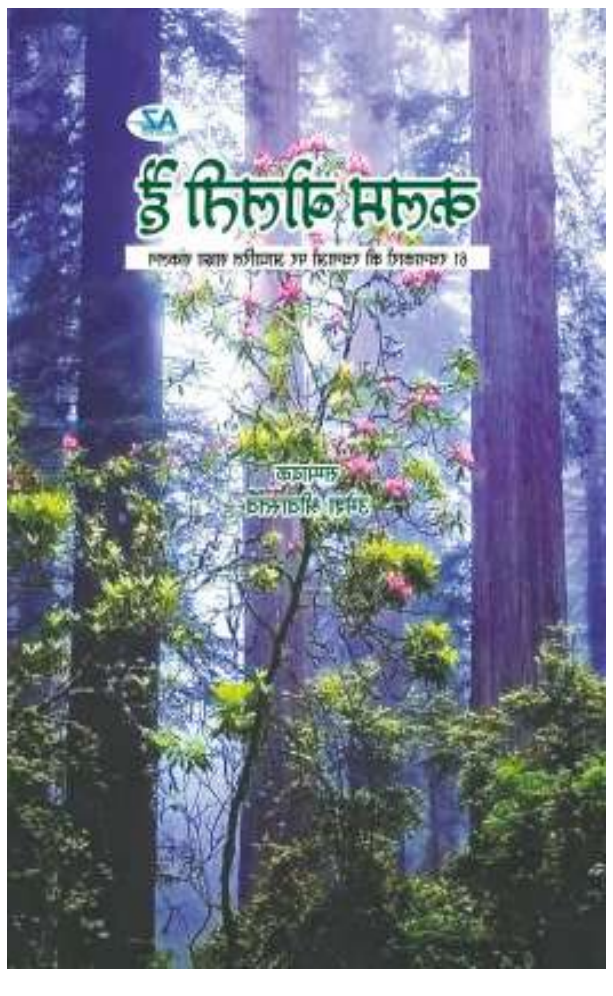

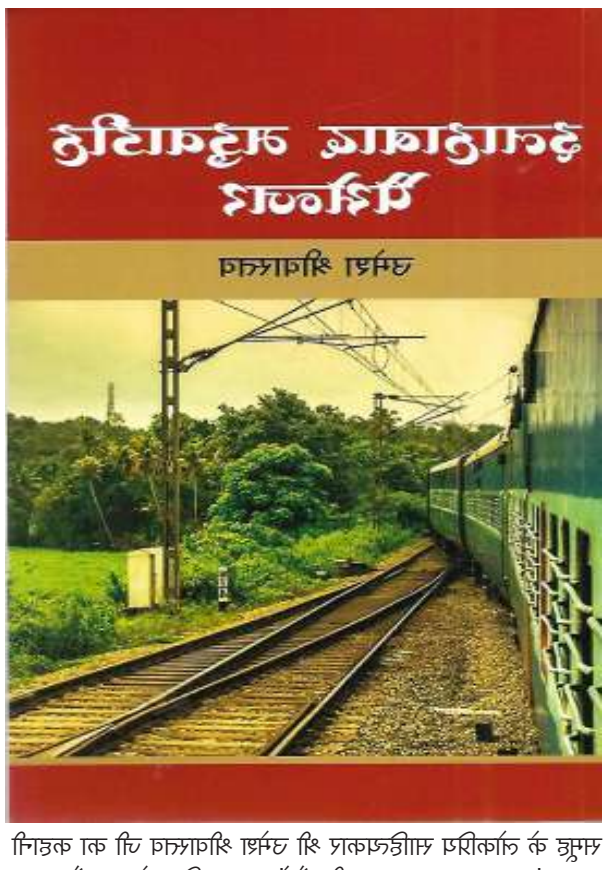

(Thigna Bhai Thade Bhaye)

एयर कनाडा विमान हादसे में दो लोगों की मौत, रूह कंपाने वाला ऑडियो आया सामने

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ला गॉर्डिया एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। मॉन्ट्रियल से आ रहा एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक यात्री विमान लैंडिग के दौरान रनवे पर मौजूद एक ग्राउंड व्हीकल से टकरा गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। मरने वाले लोग यात्री हैं या क्रू मेंबर, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। एयर कनाडा के मुताबिक, इस विमान में 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, सोमवार तड़के विमान एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश में था। हादसे के तुरंत बाद अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने ला गॉर्डिया एयरपोर्ट पर श्ग्राउंड स्टॉपश लागू कर दिया। इसका मतलब है कि न तो कोई विमान वहां उतर सकता है और न ही उड़ान भर सकता है। प्रशासन ने शुरुआती बयान में कहा कि आपातकालीन स्थिति के कारण एयरपोर्ट को शाम 6 बजे तक बंद रखा जा सकता है। इस हादसे के बाद अब एक ऑडियो सामने आया है। इस ऑडियो क्लिप ने हादसे की भयावहता को सामने ला दिया है। जानकारी के मुताबिक, एयर कनाडा एक्सप्रेस की फ्लाइट 7631 लैंड करने ही वाली थी, तभी एक फायर ट्रक अचानक उसके रास्ते में आ गई। पायलट ने जैसे ही ट्रक को सामने देखा, उसकी चीख निकल गई। ऑडियो में पायलट का डर और कंट्रोल टावर की हड़बड़ाहट साफ सुनी जा सकती है। पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन रफ्तार इतनी तेज थी कि विमान और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। चश्मदीदों का कहना है कि अगर पायलट ने सही समय पर श्पैनिक कॉलश न की होती और ब्रेक न लगाए होते, तो यह जानलेवा हादसा हो सकता था। फिलहाल, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन इस बात की जांच कर रही है कि आखिर दमकल की गाड़ी रनवे पर क्या कर रही थी? बता दें कि ला गॉर्डिया न्यूयॉर्क का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट है। इस हादसे और उसके बाद लागू हुई पाबंदियों के कारण हजारों यात्रियों के फंसने की आशंका है। एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि रनवे पर इस तरह की घटनाएं दुर्लभ होती हैं, लेकिन इनके कारण पूरे एयर ट्रैफिक नेटवर्क पर बुरा असर पड़ता है। जानकारी के मुताबिक, कई फ्लाइट के रूट को डायवर्ट भी किया गया है। फिलहाल, एयर कनाडा और न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट ने इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। जांच टीमें मौके पर मौजूद हैं।

संक्षिप्त

किम जोंग की और बढ़ी ताकत: फिर बने उत्तर कोरिया के स्टेट अफेयर्स कमीशन के प्रमुख, बहन को लगा झटका

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को एक बार फिर देश की सबसे बड़ी सत्ता वाली संस्था स्टेट अफेयर्स कमीशन का अध्यक्ष चुन लिया गया है। यह फैसला देश की संसद सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) के नए सत्र की पहली बैठक में लिया गया। यह बैठक हाल ही में हुए सत्ताधारी पार्टी के सम्मेलन के बाद बुलाई गई थी। उत्तर कोरिया में आम तौर पर पार्टी कांग्रेस के बाद संसद की बैठक होती है, ताकि वहां लिए गए फैसलों को कानून का रूप दिया जा सके। बता दें कि इस फेरबदल में एक अहम बात यह रही कि किम जोंग–उन की बहन किम यो–जोंग को स्टेट अफेयर्स कमीशन से हटा दिया गया है। वह 2021 से इस संस्था की सदस्य थीं और उन्हें काफी ताकतवर नेता माना जाता है। हालांकि दूसरी ओर विशेषज्ञों का मानना है कि इस बैठक में संविधान में बदलाव पर भी चर्चा हो सकती है। ऐसे में संभव है कि उत्तर और दक्षिण कोरिया के रिश्तों को आधिकारिक रूप से दो दुश्मन देशों के रूप में परिभाषित किया जाए। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि उत्तर कोरिया की संसद में कुल 687 सदस्य चुने गए हैं। उत्तर कोरिया में चुनाव की प्रक्रिया दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों से बहुत अलग है। यहां के चुनाव में मतदाताओं को केवल एक उम्मीदवार का नाम वाला मतपत्र दिया जाता है। इसके बाद अगर कोई व्यक्ति उम्मीदवार का विरोध करना चाहता है, तो उसे अलग बूथ में जाकर नाम काटना पड़ता है। यह प्रक्रिया गुप्त नहीं होती और इसे कभी–कभी राजद्रोह जैसा माना जा सकता है।

यद्व की कीमत वसूलने की तैयारी में ईरान, होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर लगाएगा करोड़ों रुपये की फीस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता दिख रहा है। अब ईरान ने वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर एक तय शुल्क लगाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह शुल्क 20 लाख डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) होगा। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य अलाएद्दीन बोरोजेर्दी ने बताया कि यह शुल्क लागू किया जा चुका है। अलाएद्दीन बोरोजेर्दी ने बताया कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर फीस लगाने का फैसला एक नए संप्रभु शासन की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, श्जलडमरूमध्य पार करने वाले कुछ जहाजों से आवाजाही शुल्क के रूप में 20 लाख डॉलर वसूलना ईरान की ताकत को दर्शाता है।श उन्होंने आगे कहा, श्युद्ध की एक कीमत होती है इसलिए स्वभाविक रूप से हमें ऐसा करना पड़ेगा। बोरोजेर्दी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद सामने आई है, जिसमें ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से खोलने को कहा है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान ने ऐसा नहीं किया तो वे ईरान के पावर प्लांट को निशाना बनाएंगे। ईरान के राष्ट्रपति ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि होर्मुज का रास्ता ईरान के दुश्मनों को छोड़कर बाकी सभी के लिए खुला है। हालांकि उनकी इस टिप्पणी के बाद अब ईरान के सांसद ही होर्मुज पर भारी–भरकम शुल्क लगाने की बात कर रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है, जहां से करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस की सप्लाई गुजरती है। अगर यह रास्ता बंद होता है तो वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। हाल के हमलों और तनाव के कारण पहले ही ऊर्जा बाजार में उथल–पुथल देखने को मिल रही है। ईरान की समुद्री सीमा पर मौजूद होर्मुज एक बेहद संकरा रास्ता है, जहां से वैश्विक तेल निर्यात होता है। ईरान इस रास्ते पर रणनीतिक बढ़त रखता है और इसे बाधित कर सकता है।

युद्व के बीच ट्रंप-नेतन्याहू से बोले पहलवी: ईरान इस्लामी गणराज्य नहीं, मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके इस्राइल-US

तेहरान, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान इस्लामिक गणराज्य नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में मौजूदा शासन को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से एक खास अपील की। उन्होंने कहा कि वे केवल शासन और दमन करने वाले तंत्र को ही निशाना बनाएं।

उन्होंने अनुरोध किया कि आम जनता की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचाया जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में पहलवी ने लिखा कि ईरान का बुनियादी ढांचा वहां के लोगों का है। यह आजाद ईरान के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा इस्लामी गणराज्य का ढांचा दमन और आतंक का वह तंत्र है जिसका इस्तेमाल उस भविष्य को साकार होने से रोकने के लिए किया जाता है। ईरान की रक्षा की जानी चाहिए। इस शासन को उखाड़ फेंकना होगा। पहलवी ने आगे कहा मैं राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री नेतन्याहू से आग्रह करता हूं कि वे शासन और उसके दमनकारी तंत्र को निशाना बनाना जारी रखें, जबकि ईरानियों को अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक नागरिक ढांचे को बख्श दें।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पश्चिम एशिया में शांति कैसे ?: रिपोर्ट में दावा- ट्रंप की पहल पर होगी US-ईरान वार्ता य इन शर्तों पर ही थमेगी जंग

एजेंसी/पश्चिम एशिया में शांति कैसे बहाल होगी? ये सबसे बड़ा सवाल बन चुका है। ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच जारी जंग से जुड़ी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप की पहल पर ै और ईरान के बीच वार्ता होगी। शांति वार्ता की इस पहल के बाद कई शर्तों के आध ार पर युद्ध रोके जाने को लेकर सहमति बन सकती है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सिओस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाला प्रशासन ईरान के साथ शांति वार्ता की संभावनाओं पर प्रारंभिक चर्चा शुरू कर चुका है। एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी और जानकार सूत्र के हवाले से इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 28 फरवरी से शुरू हुई जंग के बाद बीते तीन हफ्ते में वाशिंगटन और तेहरान के बीच कोई सीधा संपर्क नहीं हुआ है। हालांकि, मिस्र, कतर और ब्रिटेन ने दोनों पक्षों तक संदेश पहुंचाए हैं। शनिवार को आई एक्सिओस की इस रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधि ाकारी और दो अन्य जानकार सूत्रों के हवाले से लिखा, मिस्र और कतर ने अमेरिका के साथ–साथ इस्राइल को भी सूचित किया है कि ईरान बातचीत करना चाहता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने बमबारी से हुए नुकसान की एवज में मुआवजे की मांग की है। तेहरान की तरफ से भविष्य में युद्ध न होने की गारंटी दिए जाने जैसी कड़ी शर्तें भी रखी गई हैं। एक्सिओस ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया है कि वाशिंगटन ईरान से छह बिंदुओं पर प्रतिबद्धता चाहता है। अमेरिका की तरफ से जिन प्रतिबद्धताओं की बात कही गई है ये क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान शांति बहाली से पहले इन शर्तों को पूरा करे। इस रिपोर्ट के अनुसार, पहली तीन प्रतिबद्धताओं में मिसाइल और यूरेनियम यानी परमाणु से जुड़े मसले शामिल हैं। इसके मुताबिक ईरान अगले पांच साल तक कोई मिसाइल कार्यक्रम नहीं चलाएगा। जिन बिंदुओं पर समझौते होने हैं, उनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाना भी शामिल है। अमेरिका चाहता है कि ईरान नतान्ज, इस्फहान और फोर्डो परमाणु केंद्रों पर काम बंद करे। बता दें कि इन केंद्रों पर अमेरिका और इस्राइल ने गत वर्ष भी भीषण बमबारी की थी। इसके अलावा सेंट्रीफ्यूज और संबंधित मशीनरी के निर्माण व उपयोग पर भी ईरान से प्रतिबद्धता की अपेक्षा की गई है। अमेरिका चाहता है कि परमाणु से जुड़े इन उपकरणों पर सख्त और बाहरी निगरानी के प्रोटोकॉल बनाकर उसका पालन सुनिश्चित किया जाए। बीते तीन हफ्ते से अधिक समय से जारी जंग के बीच अमेरिका ने क्षेत्रीय देशों के साथ हथियार नियंत्रण संधियों पर भी जोर दिया है। इस पांचवीं प्रतिबद्धता के तहत अमेरिका चाहता है कि ईरान अधिकतम 1,000 मिसाइलें ही रखे। किसी भी स्थिति में मिसाइलों की संख्या इससे अधिक नहीं होनी चाहिए। एक्सिओस की इस रिपोर्ट में अमेरिका की तरफ से की गई कई अन्य अपेक्षाओं का भी जिक्र है। इसके मुताबिक ईरान को लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और गाजा में हमास जैसे प्रॉक्सी संगठनों को दी जा रही कथित वित्तीय सहायता बंद करनी होगी। इस रिपोर्ट में दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों की क्षमता और भूमिका की तरफ भी संकेत किया गया है। इसके मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची को श्फैक्स मशीनश मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वे अमेरिका की तरफ से ईरान में वास्तविक निर्णय लेने वालों की पहचान करने और उनसे संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

'हमारे सभी लड़ाकू विमान सुरक्षित': अमेरिका ने F15 मार गिराने के ईरानी दावे को बताया झूठा, पेश किए आंकड़े

तेहरान, एजेंसी। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ईरान ने एक अमेरिकी एफ–15 लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया, जिसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा, मध्य पूर्व में तैनात उसके सभी लड़ाकू विमान पूरी तरह से सुरक्षित हैं। इससे पहले ईरान की सरकारी मीडिया ने दावा किया था कि ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने होर्मुज द्वीप के पास एक अमेरिकी विमान को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से मार गिराया। तेहरान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना ने अपने दक्षिणी तट के पास अमेरिकी F–15 को रोका और फिर उसे मार गिराया। रिपोर्ट में इसे ईरानी रक्षा बलों की एक बड़ी सफलता बताया गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर ईरानी सेना को अमेरिकी विमान को रोकते हुए दिखाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरानी मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश के दौरान अमेरिकी सेना के 8,000 से ज्यादा उड़ानें भरी हैं। इस पूरे अभियान में ईरान ने अमेरिका का कोई भी लड़ाकू विमान नहीं गिराया है। अमेरिका ने सोशल मीडिया पर चल रही इन खबरों को पूरी तरह झूठा करार दिया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से डरी शहबाज सरकार, फोड़ा महंगाई बम, सीधे 300 के पार पहुंचाए पेट्रोल के दाम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा संसाधनों से लदे कई वाणिज्यिक जहाज फंसे हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने हाई–ऑक्टेन ईंधन की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए इसे 100 पाकिस्तानी रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले इस ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। यह फैसला रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। बैठक में ईंधन कीमतों और आर्थिक राहत से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। इसमें कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार और पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधि ाकारी मौजूद रहे। रिपोर्ट के अनुसार, हाई–ऑक्टेन ईंधन की कीमत में इस बढ़ोतरी का असर सार्वजनिक परिवहन और हवाई यात्रा के किराए पर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले 6 मार्च को भी वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के चलते पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह उछाल अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण घरेलू ऊर्जा लागत पर दबाव बढ़ने से आया था। उस समय पेट्रोल की कीमत 266.17 रुपये से बढ़ाकर 321.17 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि डीजल की कीमत 280.86 रुपये से बढ़ाकर 335.86 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी।

इस बढ़ोतरी की घोषणा पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने उप प्रधानमंत्री इशाक डार और वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी। वहीं, 10 मार्च को जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तानी एयरलाइंस ने भी किराया बढ़ा दिया था।

पूर्व सांसद और अपने दोस्त के खिलाफ ही गवाही देंगे मार्को रुबियो, वेनेजुएला के लिए लॉबिंग करने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मियामी से पूर्व सांसद डेविड रिवेरा पर वेनेजुएला सरकार के लिए गुप्त रूप से लॉबिंग करने के आरोपों से जुड़े संघीय मुकदमे की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई है। इस मामले में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो गवाही देंगे। दरअसल रुबियो, रिवेरा के पुराने दोस्त हैं और दोनों

एक समय साथ रहे हैं। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि रिवेरा ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के लिए अमेरिका में समर्थन जुटाने के लिए लॉबिंग की थी। रिवेरा ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में कोशिश की थी कि अमेरिका सरकार वेनेजुएला के खिलाफ सख्त कदम न उठाए। रिवेरा पर आरोप है कि उन्होंने वेनेजुएला की तत्कालीन विदेश मंत्री डेल्सी रोड्रिगेज (जो अब वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं) को प्रभावित कर वहां की तेल कंपनी पीडीवीएसए के माध्यम से 5 करोड़ डॉलर का लॉबिंग कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया। मुकदमे के अनुसार, इस कथित विदेशी प्रभाव अभियान में टेक्सास के रिपब्लिकन सांसद पीट सेशंस और कार्टेल से जुड़े एक व्यक्ति ने भी रिवेरा की मदद की थी। यह मुकदमा इस बात को भी दर्शाता है कि मियामी कैसे लैटिन अमेरिका में अमेरिकी नीति को प्रभावित करता है। इसी संदर्भ में रुबियो की गवाही अहम मानी जा रही है। साल 2022 में दाखिल 11 बिंदुओं वाले आरोपपत्र में रिवेरा और उनके एक सहयोगी पर मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी एजेंट के रूप में पंजीकरण नहीं कराने के आरोप लगाए गए हैं। अभियोजन का कहना है कि अपनी गतिविधियों को छिपाने के लिए रिवेरा ने डप। नाम का एक एन्क्रिप्टेड चौट ग्रुप बनाया था, जिसमें वेनेजुएला के मीडिया कारोबारी राउल गोरिंन के साथ बातचीत होती थी। हालांकि 60 वर्षीय रिवेरा ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनके वकीलों का कहना है कि उनकी कंपनी इंटरअमेरिकन कंसल्टिंग को पीडीवीएसए की अमेरिकी सहायक कंपनी ने नियुक्त किया था, इसलिए विदेशी एजेंट के रूप में पंजीकरण जरूरी नहीं था।

पूर्व PM इमरान खान का जेल से सख्त संदेश: कहा- आत्मा बेच चुके जजों को शर्म आनी चाहिए, बेटे कासिम ने क्या बताया?

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर पिछले कई दिनों से चिंता जताई जा रही थी। इसी बीच इमरान खान के बेटे कासिम खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में उनसे मुलाकात की। मुलाकात के बाद कासिम ने सोशल मीडिया पर अपने पिता का एक संदेश सोशल मीडिया पर साझा किया। इस संदेश में इमरान खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान ने अपने बेटे से भेजे संदेश में कहा, देश के जजों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायपालिका अपनी आत्मा बेच चुकी है और उन्हें देश की एकता की कोई परवाह नहीं है। इमरान के मुताबिक, जब विरोधी उन्हें मानसिक रूप से नहीं तोड़ पाए, तो उन्होंने उनकी पत्नी बुशरा बीबी को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने बुशरा बीबी के साथ हो रहे व्यवहार को अमानवीय और इस्लाम के खिलाफ बताया। इमरान ने कहा कि यह सब उन्हें ब्लैकमेल करने की एक साजिश है। इमरान खान ने जेल की मुश्किलों का जिक्र करते हुए बताया कि बेटों से 30 मिनट की मुलाकात के बदले उन्हें 24 घंटे अकेले (आइसोलेशन) रहना पड़ता है। उन्होंने जजों को गद्दार बताते हुए कहा कि जिन पर समाज के न्याय की जिम्मेदारी थी, वे ही धोखा दे रहे हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। बता दें कि इमरान खान के दोनों बेटे सुलेमान और कासिम लंदन में रहते हैं। उन्होंने पहले दावा किया था कि उनके पिता की दाहिनी आंख की रोशनी बहुत कम हो गई है और जेल प्रशासन इलाज में लापरवाही बरत रहा है। रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में कासिम ने यह भी कहा था कि सरकार उन्हें पाकिस्तान आने का वीजा नहीं दे रही थी ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।